प्रेरणा स्त्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

# माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 44 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 05 अगस्त 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

**सुविचार**

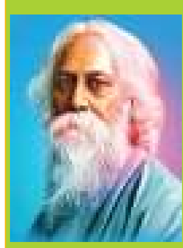

आस्था वह पक्षी है जो सुबह अंधेरा होने पर भी उजाले को महसूस करती है।
रविन्द्रनाथ टैगोर

# गांव-गांव व फलिये-फलिये में अवैध शराब बिकवाने वाली पुलिस

# मंदसौर कांड मुहिम के साथ कार्रवाई कर लूट रही है वाह-वाही

## जहरीली शराब सप्लाई करने वाला मुख्य सरगना श्याम मंदसौर पुलिस के हत्थे चढ़ने के बाद आजाद नगर में पकड़ी अवैध शराब बनाने वाली सामग्री

**माही की गूंज, संजय भटेवरा।**

यह तो स्पष्ट है कि, कोई भी अपराधी अपराध की ओर कदम बढ़ाता है, तो वह छोटे-छोटे अपराधों को अंजाम देकर बड़े अपराध तक पहुंच जाता है। जैसे कि, क्षेत्र में छोटे-छोटे चोरी के अपराध होते हैं, जिसमें कुछ मामलों में शिकायत भी होती है, परंतु पुलिस उनं अपराध को अपने रिकॉर्ड दुरूस्ती के लिए नजर अंदाज कर मयप्रुफ होने के बाद भी मामले दर्ज नहीं करती। छोटे-छोटे अपराध को अंजाम देने वाले अपराधी जब बड़े अपराध को अंजाम देते है, तो पुलिस कार्रवाई का ढकोसला कर ऐसी कार्रवाई करती है कि, पुलिस अपनी सजगता के साथ कभी भी अब नए अपराध को नहीं होने देगी जैसी कार्रवाई दिखाकर अपने आप को पाक साफबता कर वाह-वाही लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ती है, यह सर्व विदित है।

कुछ इस तरह माफिया राज आदिवासी बहुल्य क्षेत्र झाबुआ-अलीराजपुर जिले की ही बात करें तो यहां सर्वाधिक शराब एंव शराब माफियाओं का राज एक तरफा है। यहां पुलिस व आबकारी गांव-गांव व फलिये-फलिये में अपने आर्थिक लाभ के साथ खुलेआम छोटे से लेकर बड़े शराब विक्रेताओं और माफियाओं को संरक्षण देकर अन-अधिकृत निर्देशन के साथ खुलेआम शराब का कारोबार करवा रही है, यह भी सर्वविदित है। पुलिस के संरक्षण के साथ ही यह शराब विक्रेता धीरे-धीरे अपनी लालच को चरम सीमा में ले-जाकर बड़े कारोबार कर, बड़े माफिया बन गए। वही छोटे विक्रेता घरों में ही अधिक मुनाफा कमाने के लिए पुलिस के ही संरक्षण के साथ शराब बनाने का कारोबार शुरू कर देते हैं। जब ऐसे मामलो में भी कोई बडा मामला होकर जब किसी की जान चली जाती है तो मामला सरकार व सरकार के नुमाइन्दो पर आने के बाद सरकार के निर्देश व प्रशासन की छुट-पुट कार्रवाई ऐसी दिखाई जाती है कि, प्रशासन सारे अवैध कारोबार से अनभिज्ञ था और ऐसे अवैध कारोबार करने वाले माफियाओ के प्रति पुरी संवेदनशीलता के साथ सजग है व क्षेत्र में किसी प्रकार का भी अवैध कारोबार नहीं करने दिया जाएगा और माफियाओं मे प्रशासनिक खौफ स्थापित हो जाएगा, जैसी कार्रवाई करना सार्वजनिक कर महज अपनी बिगड़ी छवी को सुधारने मात्र का प्रयास करती है। पर कहते हैं, जनता सब जानती है...

आरोपित नविन बसेर।

### पानी सर के उपर जाने के बाद सरकार ने लिया फांसी तक का प्रस्ताव

घरों में शराब बनाने के कारखाने के साथ मंदसौर कांड की घटना में हुई मौतों के बाद सरकार के साथ प्रशासन भी जिनके सरंक्षण के साथ ही अवैध कारोबार फल-फूल रहा था, ऐसा सजग हुआ कि, आमजन में विश्वास पाने के लिए छुट-पुट कार्रवाई को अंजाम देकर अपनी वाह-वाही लूट रहे है। वही सरकार ने भी जब पानी सर के ऊपर चला गया उसके बाद घरेलु शराब बनाने वाले व उक्त शराब से जनहानि होने पर उम्र कैद से लेकर फांसी तक की सजा का प्रस्ताव कैबिनेट में लिया।

### सप्लाई करने वाला मुख्य सरगना श्याम के पकड़े जाने के बाद पुलिस को मिली सफलता

च.शे. आजाद नगर में शराब बनाने वाली अवैध सामग्री पकड़ने में अलीराजपुर जिले की पुलिस को मिली सफलता को माही की गूंज बधाई देता है। पर बात करें अलीराजपुर जिले की ही तो, पुलिस की उक्त नकली शराब बनाने वाली सामग्री की यह पहली कार्रवाई नहीं है और कहा जाए तो यह अंतिम भी नहीं...

यहां जिला कार्यालय पर ही प्रशासनिक आला-अधिकारियों के कार्यालय एवं निवास स्थान के पास ही पिछले वर्ष बड़ी मात्रा में नकली शराब बनाने की फैक्ट्री के साथ शराब बनाने की अवैध सामग्री जप्त की थी। उक्त कार्रवाई के बाद ही पता चलता है कि, जिले में प्रशासनिक संरक्षण के साथ यह माफिया किसी तरह से बेखौफहोकर अपना अवैध कारोबार कर रहे हैं... !

मंदसौर पुलिस ने पकड़ा जहरीली शराब सप्लाई करने वाले मुख्य सरगना गोल घेरे में श्याम राठौड़ व साथियों को।

श्याम द्वारा सप्लाई किए गए अन्य शराब बनाने की सामग्री के साथ अल्कोहल स्प्रिट के ड्रम पुलिस ने किए जप्त।

बात यही विराम नहीं हुई और जिले के ईटारा ग्राम में भी ऐसी ही अवैध सामग्री जब्त की गई। जिसमें शराब की जानकारी रखने वाले बताते हैं कि, यह कारोबार कांग्रेस समर्थको के द्वारा नकली शराब बनाने का कार्य किया जाता था। वही अंदर की जानकारी रखने वाले बताते हैं अलीराजपुर जिला मुख्यालय पर अवैध शराब फैक्ट्री की कार्रवाई के बाद भाजपाई राजनीति पृष्ठभूमि से जुड़े प्रभावीयो के संरक्षण में ऐसी ही अवैध फैक्ट्री खोल नकली शराब बनाने का कारोबार चल रहा था। जहां पूर्व में कार्रवाई हेतु प्रशासन पहुंचा परंतु, राजनीतिक प्रभाव के साथ बताया जा रहा है पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया गया था। अलीराजपुर जिले में नकली शराब बनाने का कारोबार लंबे समय से पुलिस की आंखों के सामने ही निरन्तर चल रहा है।

इसी कड़ी में मंगलवार को एसपी के निर्देशन में आजादनगर पुलिस ने दाहोद-अलीराजपुर मुख्य मार्ग पर नवीन बसेर के यहां से 11 ड्रम अल्कोहल स्प्रिट के साथ शराब बनाने की सामग्री ढक्कन, लेबल, खाली बारदान आदि तलघर के अंदर से जब्त किए। वही आरोपित नवीन बसेर के साथ उनकी पत्नी को भी मामले में सहआरोपी बना दिया गया।

जानकारीनुसार शराब बनाने वाला अल्कोहल स्प्रिट एवं शराब बनाने वाली अन्य सामग्री सप्लाई करने वाला मुख्य सरगना श्यामसिंह पिता नारायणसिंह राठौड़ साई श्रद्धा कॉलोनी इंदौर नें सप्लाई की थी। उक्त सरगना श्याम ने मंदसौर एवं खंडवा में भी नकली शराब बनाने की सभी सामग्री जहरीली स्प्रीट सप्लाई की थी। मंदसौर पुलिस ने सोमवार को श्याम राठौड़ के साथ उनके अन्य साथियों को गिरफ्त में लिया। मंदसौर पुलिस की पूछताछ में श्याम ने खंडवा के मोरधड़ी के कालका प्रसाद को शराब बनाने वाली सामग्री सप्लाई की थी। इसी तरह आजाद नगर निवासी नवीन बसेर को भी शराब बनाने की सामग्री व 15 ड्रम अल्कोहल स्प्रिट सप्लाई करना कबूल किया। जिसके बाद अलीराजपुर जिले की पुलिस ने अपनी सजगता दिखा कर उक्त कार्रवाई को अंजाम दिया।

उक्त मामले में पुलिस की गिरफ्त में आया अरोपित नवीन बसेर को घर में जब्ती के दौरान लाया गया। आरोपी से पुलिस ने पूछताछ की गई तो, हकीकत बयांकर बताया कि , श्याम से वह शराब की पेटियां बेचने हेतु मंगवाता था, प्रथम बार श्याम ने मुझे जोर देकर कहा कि अल्कोहल के ड्रम और शराब बनाने की सारी सामग्री मैं लेकर आऊंगा और मैं ही अपने साथियों के साथ आकर शराब पैकिंग करूंगा, मेरे मना करने के बाद भी श्याम उक्त सामग्री ले आया।

तो महुए के गोदाम तलघर में रखवा दिया। आरोपित नवीन ने जानकारी अनुसार मौके पर पुलिस को यह भी बताया कि, श्याम ने 15 ड्रम एवं अन्य सामग्री सप्लाई की थी। जिसके बाद श्याम नें फोन कर उक्त ड्रम को ढोल देने की बात कहीं। जिसके बाद मैंने एक-एक कर 4 ड्रम ढोल दिए और बाकी ड्रम भी एक-एक कर ढोलना थे। मैंने किसी को भी इसमें से शराब नहीं बेची है और ना ही मैं कभी बेचना चाहता था पुलिस को बताया। पुलिस ने सामग्री जब्त कर नवीन के साथ महिला का भी सहआरोपी में प्रकरण दर्ज कर लिया। जबकि बताते हैं महिला, पति से शराब का व्यवसाय नहीं करने के लिए हमेशा कहती थी और आरोपित नवीन ने घरेलू विवाद के चलते शराब का व्यवसाय अपनी दुकान पर करना बंद कर दिया था बताया जा रहा है।

### वहीं पुलिस ने भी बुधवार को मामले में औपचारिक खुलासा किया।

''कोई भी अपराध करता हैं तो उस पर कार्रवाई होना चाहिए'' चाहे कोई भी हो छोटा या बड़ा अपराध करता है तो उसे उसकी सजा मिलनी चाहिए, पर पुलिस ही ऐसे अपराध को बढ़ावा दे रही है, यह किसी से छुपा नहीं है...। हम यहा यही कहेंगे कि, पुलिस पुर्वाग्रसित न होकर विधि सम्मत कार्रवाई करे। वही उक्त कार्रवाई पर वाहवाही नहीं लूटकर आजादनगर की ही बात करें तो यहाँ दाहौद-अलीराजपुर मार्ग हो, कालका माता मंदिर-सदर बाजार हो, भुरा घाटा, कुमार मोहल्ला, कट्ठीवाड़ा मार्ग, झाबुआ मार्ग के साथ ही थाना क्षेत्र के बरझर, सेजावाड़ा, काकडबारी, विसरा, रीगोल, सामलाकुंड, झीरण आदि सभी गांवो में भी खुले रूप से शराब के कारोबार चल रहे है। पुलिस को चाहिए की आजाद नगर के साथ पूरे जिले के साथ प्रदेष में शासन-प्रशासन अपनी साख को बचाना चाहती है तो, इन माफियाओं के खिलाफआगे भी कार्रवाई करें। ताकि भविष्य में इन शराब विक्रेता एवं माफियाओं के कारण किसी की जान पर नहीं बन आए और सरकार से लेकर प्रशासन की किरकिरी न हो...

पुलिस कार्रवाई के लिए तहखाने में लिफ्ट से अंदर उतरती हुई।

अलीराजपुर एसपी विजय भागवानी ने मामले का किया खुलासा

# जहरीली शराब मामले में एक-एक कर पुरा गिरोह आया सामने

## जहरीली मिथेनॉल शराब सप्लाई करने वाला मुख्य आरोपी श्याम राठौड़ व उसके साथी पुलिस गिरफ्त में

**माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान**

पिपलियामंडी थाना क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से हुई सरकारी रिकार्ड में आठ लोगों की मौत के बाद हरकत में आई पुलिस ने जब जांच शुरू की तो माफियाओं का पूरा एक संगठित गिरोह का खुलासा हुआ है। जो शराब ठेकों के समानांतर ही अवैध शराब का नेटवर्क चला रहे थे। इसमें इंदौर से लेकर रतलाम, आगर मालवा, मंदसौर जिले के लोग शामिल थे। इनमें सभी का अपना काम था। शराब प्रतापगढ़ जिले के ग्राम डाबडा में राजेंद्रसिंह बना रहा था और पूरे क्षेत्र में पिपलियामंडी के जितेंद्रसिंह के जरिए सप्लाय कर रहा था। शराब में गड़बड़ी इंदौर से इथेनॉल की जगह मिथेनॉल सप्लाय करने से हो गई। वहां से एक ड्रम 30 हजार रुपए में राजेंद्रसिंह ने खरीदा था। पुलिस ने पूरी चेन को ही तोड़ने का दावा किया है। अभी इस जहरीली शराब शासकीय ठेकों से बिकने की तस्दीक बयानो के आधार पर की जा रही हैं।

एसपी सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि, 25 जुलाई को खंखरई निवासी निर्मल बावरी ने अपने पिता घनश्याम बावरी की जहरीली शराब से मृत्यु होने की सूचना दी थी। जिसके बाद खंखरई के ही गुलाबचंद्र मेघवाल ने अपने भतीजे श्यामलाल मेघवाल निवासी की भी जहरीली शराब पीने से मृत्यु होने के संबंध में सूचना दी। दोनों मामले की जांच से थाना पिपलियामंडी में किराना दुकान से शराब बेचने वाले आरोपित महिपालसिंह उर्फ नेपालसिंह पुत्र गोपालसिंह राजपूत व उसके पुत्र पिंटूसिंह व गजेंद्रसिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया। आरोपितों को शराब सप्लाय करने वाले सुजानपुरा निवासी जयपालसिंह व जितेंद्रसिंह को गिरफ्तार किया गया।

जितेंद्रसिंह ने बताया कि, कुल 24 पेटी शराब राजेंद्रसिहं एवं उसके भाई नेपालसिंह दोनों निवासी डाबडा जिला प्रतापगढ़ (राज.) से ली थी। इसमें से दो पेटी जयपालसिहं व राजेंद्रसिंह को एवं 22 पेटी महेंद्रसिंह निवासी सोनी व लाला उर्फ भंवरसिंह निवासी जैतपुरा को दी थी। महेंद्रसिंह एवं लाला उर्फ भंवरसिंह को पकड़ा तो उन्होंने कहा कि, 10 पेटी शराब जितेंद्रसिंह को वापस कर दी थी और 8 पेटी शराब नष्ट कर दी। जितेंद्रसिंह ने भी 10 पेटी शराब वापस लेकर नष्ट कर दी थी। दो पेटी शराब महेंद्रसिंह ने बेचने के लिए अपने पास रखी थी, इसमें से एक रामसिंह सौंधिया राजपूत निवासी जोगनी एवं एक पेटी मानसिंह बंजारा निवासी भैसाखेड़ा को देना बताया। रामसिंह एवं मानसिंह ने काफी क्वार्टर बेच दिए थे। दोनों के पास से शेष बचे चार व पांच क्वार्टर जप्त किए गए है। लाला के पास की बची दो पेटी लाला नें सतीश चौधरी व जगदीश सैनी को बचे दी थी। सतीश चौधरी ने 30 क्वार्टर प्रहलाद डाबी निवासी पिपलियापंथ को बेचे थे। सतीश चौधरी, प्रहलाद डाबी एवं जगदीश सैनी ने भी अधिकांश क्वार्टर बेच दिए थे। उनके पास से क्रमशः दो-तीन और चार क्वार्टर जब्त कराए हैं।

### इंदौर की सोनम से 30 हजार रुपए में खरीदते थे मिथेनाल का एक ड्रम

पुलिस जब शराब बनाने वाले ग्राम डाबडा निवासी राजेंद्रसिंह तथा नेपालसिंह को पकड़ा तो इस पूरे गिरोह का पर्दाफाश हुआ। इसमें पता चला कि, यह शराब बनाने के लिए 30 हजार रुपए में एक ड्रम मेथेनाल अल्कोहल इंदौर से खरीदते थे। 20-25 दिन पहले ही इंदौर के श्यामसिंह पिता नारायण सिंह राठोड़ ने चालक जालमसिंह एवं एक अन्य के साथ आकर पांच ड्रम केमिकल राजेंद्रसिंह व नेपालसिंह को दिए थे। अभी तक श्यामसिंह ने कुल 25 ड्रम केमिकल इंदौर की सोनम धीमान की फर्म एएसडी इंटरप्राइसेस से मोहित यादव के माध्यम से लिए है। सोनम धीमान नें यह 25 ड्रम केमिकल एम श्रेया इंटरप्राइसेस के मालिक रविंद्र नागर नि. इंदौर से लिया था। रविंद्र नागर नें खुद का केमिकल ट्रेडिंग का व्यवसाय बताया है एवं 25 ड्रम केमिकल सोनम धीमान की फर्म को बेचना स्वीकार किया है।

### पुलिस के डर से जंगल में छुपाए खाली क्वार्टर और ढक्कन

राजेंद्रसिंह व नेपालसिंह दोनों ग्राम डाबड़ा में ही शराब निर्माण करते हैं। इसके लिए सारा कच्चा माल श्यामसिंह निवासी इंदौर उपलब्ध कराता था। श्यामसिंह नें बताया कि, खाली क्वार्टर एवं ढक्कन पुलिस के डर से साथी ढाबला तंवर थाना बडोद निवासी प्रेमसिंह सौंधिया राजपूत की जानकारी में जंगल में छुपाए हैं। इस पर पुलिस ने वहां 20 कट्टे खाली क्वार्टर एवं चार कार्टून ढक्कन जब्त कर लिए हैं। राजेंद्रसिंह व नेपालसिंह के पास से शराब बनाने के उपकरण जब्त किए जा चुके हैं।

### ये सभी आरोपित गिरफ्तार

पिंटूसिंह पिता महिपालसिंह उर्फ नेपालसिंह राजपूत (21) निवासी ग्राम खंखराई, जयपालसिहं उर्फ श्यामसिंह उर्फश्यामु पिता कुशालसिंह शक्तावत (35) निवासी सुजानपुरा, जितेंद्रसिंह उर्फजीतू पिता विक्रमसिंह शक्तावत (25) निवासी सुजानपुरा, भंवरसिंह उर्फ लाला पिता रामसिंह राजपूत (36) निवासी जैतपुरा थाना मल्हारगढ़, जगदीश उर्फ पप्पू पिता ओमप्रकाश सैनी (36) निवासी खातयाखेड़ी, महिपालसिंह उर्फ नेपालसिंह पिता गोपालसिंह राजपूत (50) निवासी खंखराई, गजेंद्रसिंह उर्फगज्जू पिता महिपालसिंह राजपूत (20) निवासी खंखराई, महेंद्रसिंह पिता जुझारसिंह उर्फ मेहतासिंह राजपूत (34) निवासी सोनी थाना मल्हारगढ़, सतीश चौधरी पिता मनोहरलाल चौधरी (38) निवासी फाटक मोहल्ला पिपलियामंडी, राजेंद्रसिंह पिता भारतसिंह राठौड़ (32) निवासी डाबडा थाना हथुनिया जिला प्रतापगढ़ (राज.), नेपालसिंह पिता भारतसिंह राठौड़ निवासी डाबडा थाना हथुनिया जिला प्रतापगढ़ (राज.), रामसिंह पिता हरिसिंह सौंधिया राजपूत (31) निवासी जोगणी थाना मल्हारगढ़, मानसिंह पिता बापूलाल बंजारा (30) निवासी भैंसाखेड़ा थाना मल्हारगढ़, मुख्य सरगना श्यामसिंह पिता नारायणसिंह राठौड़ (35) निवासी साई श्रद्धा पैलेस कालोनी थाना खजराना इंदौर, जालमसिंह पिता शंकरसिंह देवड़ा (30) निवासी पटवारी गली ताल जिला रतलाम, सोनम पत्नी राहुल धीमान (30) निवासी इंदौर, मोहित उर्फचिंटू पिता संजू यादव (28) निवासी सूरज नगर थाना खजराना इंदौर हाल मुकाम स्कीम न. 140 पिपलियाहाना थाना तिलक नगर इंदौर, रविंद्र उर्फ रवि नागर पिता नवनीतदास नागर (57) निवासी वैंकटेश नगर थाना एयरपोर्ट रोड इंदौर, राजेंद्रसिंह पिता भारतसिंह राठौड़ (32) निवासी डाबडा थाना हथुनिया जिला प्रतापगढ़ (राज.), प्रेमसिंह पिता रामलाल तंवर (48) निवासी ढाबला खाम तह. बडोद जिला आगर मालवा, प्रहलाद पिता बालूराम डाबी (40) निवासी पिपलियापंथ।

### जहरीली शराब के 40 क्वार्टर जब्त, 442 आधे जले हुए जब्त

पुलिस ने अभी तक की कार्रवाई में जहरीली शराब के 40 क्वार्टर, 442 अधजले क्वार्टर, 360 जले हुए ढक्कन, एक मोटर साइकल एपी 14 बीबी 3400 तथा एक कार एपी 14 सीसी 6281 तथा 20 कट्टे में भरे खाली क्वार्टर, 4 कार्टून में क्वार्टर के ढक्कन, जहरीली शराब बनाने के उपकरण सहित अन्य सामग्री जब्त की गई है।

# बारिश ने मचाई तबाही, 1 हजार 171 गांव प्रभावित, 200 से अधिक हुए जलमग्न

**भोपाल।** लगातार हो रही भारी बारिश ने प्रदेश के चार जिलों को बुरी तरह प्रभावित किया है। बाढ़ प्रभावित शिवपुरी में फंसे तीन लोगों को बचा लिया है और अन्य पांच के लिए बचाव अभियान जारी है। बाढ़ के हालातों से निपटने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों की आपात बैठक ली। बता दें कि प्रदेश के शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर और दतिया में लगातार हो रही बारिश से लगभग 1 हजार 171 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। शिवपुरी में 200 से ज्यादा गांव जलमग्न हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, बचाव अभियान में 22 गांव से अनेक लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दरअसल शिवपुरी में मौसम खराब होने के कारण अभियान में कुछ दिक्कतें आ रही है। राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) राजेश राजोरा ने बताया कि, शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर और दतिया जिलों में बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाया गया है।

वहीं, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीएम मोदी हर पल की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं और राज्य को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और एसडीआरएफकी टीमों द्वारा अब तक 1600 लोगों को बचाया गया है, जबकि 200 गांव अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को बचाने के लिए नावों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

### प्रदेश के कई जिलों में बाढ़

मप्र में पिछले महिने बारिश के कारण होशंगाबाद सहित मध्यप्रदेश के कई जिलों में बाढ़ आ गई थी। प्रदेश में स्थिति इतनी विकराल हो गई थी कि जलमग्न क्षेत्रों से लोगों को बचाने के लिए शनिवार को सेना और एनडीआरएफको उतारा गया था। राज्य के नौ जिलों के 394 से ज्यादा गांवों में बाढ़ ने तबाही मचाई है।

# नाबालिग रेप पीड़िता के परिवार से मिलने पहुंचे राहुल, गाड़ी में बिठाकर की बात

**नई दिल्ली।** दिल्ली में नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद की गई उसकी हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा हैं। श्मशान घाट के बाहर कुछ लोग धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, घटना के बाद से पीड़िता के परिजनों से राजनेताओं के मिलने का सिलसिला जारी है, मंगलवार को कई नेता पीड़िता के परिवार से मिले। राहुल गांधी ने बुधवार को पीड़िता के परिवार से मुलाकात की, भीड़ के कारण राहुल ने परिजनों को अपनी गाड़ी में बैठकर बात की। दिल्ली के कैंट इलाके के नांगल गांव में एक नौ साल की नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उसकी हत्या किए जाने के बाद से लोगों में बहुत गुस्सा है। बच्ची के शव के अंतिम संस्कार का मामला भी तूल पकड़ रहा है। घटना के बाद मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने घटना की निंदा की और दोषियों को तुरंत गिरफ्तार कर फांसी की सजा देने की मांग की।

# सभ्य समाज की यह कैसी व्यवस्था...!

## हत्या और आत्महत्या जैसे मामलों को छुपाकर करवाया जा रहा सामाजिक समझौता

**माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद।**

किसी अपराध या कोई घटना दुर्घटना में न्याय के लिए देश में कानून की व्यवस्था है, जिससे पुलिस के माध्यम से आमजन को न्याय मिलता है। लेकिन कभी-कभी सभ्य समाज़ की व्यवस्था ऐसी आड़े आ जाती है कि, समाज के माध्यम से होने वाले निर्णय कभी-कभी कानून से ऊपर भी चले जाते हैं। जिसमे कोई न कोई अपराध या जुर्म छुप जाता है, जो कही न कही भविष्य में किसी बड़े अपराध की और उस व्यक्ति को अग्रसर कर देता है।

पेटलावद विकास खण्ड की एक ग्राम पंचायत में खेती किसानी से जुड़े समाज़ में ऐसा मामला सामने आया, जहा लगभग डेढ़ माह पहले एक 25 वर्षीय महिला की मौत अचानक हो गई। महिला के पति ने पत्नि की मौत के बाद लोगो से ओर समाज़ से कहा कि, गंभीर बीमारी के कारण महिला की मौत हो गई। जिसे न केवल महिला के सुसराल बल्कि पियर वालो ने भी सामान्य मौत मान लिया और महिला का ताबड़तोड़ अंतिम संस्कार भी करने की तैयारी कर ली। मासूम बच्चे की माँ और पत्नी के चले जाने पर पति अंतिम क्रिया तक पत्नि को गोद मे लेकर विलाप करता रहा, जिसे अंतिम संस्कार में मौजूद लोग पति के प्रेम को देखकर स्तम्भ रह गए। सब कुछ उसी तरीके से चल रहा था जैसा महिला का पति चाहता था। लेकिन कहते से सच को लाख छुपाओ वो नही छुपता। मृतक महिला की एक करीबी रिश्तेदार जो कि अंतिम संस्कार के समय मृतक महिला का चेहरा आखरी बार देखने के लिए शमशान पहुँच गई, जहाँ चिता पर लेटी महिला का चेहरा उस करीबी महिला को दिखाया गया, तब पता चला कि, महिला के गले मे ऐसे निशान थे जिससे साफ पता चलता है कि, महिला की या तो हत्या की गई या फिर महिला ने आत्महत्या की है। जब महिला के चहरे से कपड़ा हटाया गया तब महिला के एक करीबी रिश्तेदार ने फ़ोटो खिंच लिए।

खैर मामला संदिग्ध होने के बाद भी अंतिम संस्कार नही रोका गया। बाद में फोटो खिंचने वाली रिश्तेदार ने महिला के परिजनों को फ़ोटो दिखाकर मामले में हत्या जैसे काम होने की आशंका बताई। मामला सामाजिक रूप से भी चर्चा में भी आया। महिला के मासूम लड़के ने भी पुष्टि की माँ रस्सी से लटकी थी, लेकिन महिला के परिवार ने अपने बेटी को न्याय दिलाने के बदले ये कहा कि, जो होना था वो हो गया, अब क्या करना कोन कोर्ट कचहरी के झगड़े में पड़े और मामला वही शांत कर दिया।

### दूसरी शादी के बात आने के बाद समाज़ के लोगो ने करवाया समझौता

मौत की असली वजह क्या थी, ये तो महिला का पति या उसका मासूम पुत्र ही बता सकता हैं। लेकिन मामला समाज मे उजागर होने के बाद महिला के पति ने सबको अपनी गलती स्वीकार करते हुए बताया कि, पत्नी ने आत्महत्या की थी। चुंकी लड़के की उम्र कम है और सम्भव था कि, वो दूसरी शादी भी करेगा। लेकिन पत्नी की मौत पर विधवा विलाप करने वाले पति का दुःख एक माह भी नही चला और उसने दूसरे विवाह की तैयारी कर ली। लेकिन दूसरे विवाह के लिए वधु पक्ष की और से जमीन नाम पर करने की शर्त रख दी जिसके लिए परिवार के लोग तैयार हो गए।

अंतिम संस्कार के समय खिंचा गया मृतक महिला का फोटो, गले में निशान से स्पष्ट है महिला की मौत सामान्य नही थी।

### बच्चे के नाना परिवार ने समाज के लोगों को जमाकर करवाया समझौता

जमाई के द्वारा दूसरे विवाह करने और सपत्ति नई वधु के नाम करने की जानकारी जब मृतक महिला के मयके वालो को लगी, तो मासूम नाती के भविष्य को लेकर चिंतित होते हुए उक्त व्यथा समाज के बीच रखी, जहां सात गाँव के वरिष्ठ उपस्थित होकर समाज के बीच मामले का समझौता करवाया। जिसके तहत मृतक महिला के मासूम पुत्र को उसके पिता की आधी संपत्ति नाम करना और उसके बालिग होने तक तय रकम की एफ्डी करने का फैसला किया गया। जिसे मृतक के पति ने समाज के निर्णय को स्वीकार कर लिया। समाज़ के सामने महिला की मौत के कारणों की भी चर्चा हुई, लेकिन इस विषय पर समाज ने कोई निर्णय नही लिया।

### अवैध संबधों के कारण हुई हत्या या आत्महत्या

जिस गाँव की ये घटना है और जिस समाज से मामला जुड़ा है, वहां की चर्चोओ की माने तो मामला अवैध संबंधों को लेकर हुआ है। मृतक महिला के पति के परिवार की ही किसी महिला सदस्य से संबद्ध थे और पिता के घर से लोटी महिला ने अपने पति को ऐसी स्थिति में अन्य महिला के साथ देख लिया, जिसके बाद पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ। सम्भव है, महिला ने उसके बाद आत्महत्या जैसा कदम उठाया या फिर हत्या जैसा कोई अपराध हो गया।

सवाल ये खड़े होते हैं कि, अक्सर आत्महत्या के मामले में परिवार के लोग पुलिस को सूचना देते हैं लेकिन यहां ऐसा क्यो नही किया गया? ये बड़ा प्रश्न है। अगर महिला ने आत्महत्या की थी तो मृतका के पति ने क्यो परिवार में इसकी जानकारी नही दी? महिला की मौत पीछे बड़े सवाल छोड़ गई। क्या समाज ने इज्जत बचाने के लिए क्या किसी बड़े अपराध को छुपा लिया, जो भविष्य में फिर किसी बड़े अपराध को बुलावा तो नही। क्योकि एक बार किसी को ये लत लग जाए कि, वो इतने गम्भीर मामले में बच सकता है तो भविष्य जरूर समाज को लज्जाने के लिए गूनहगार ठहराएंगे।

उक्त मामले में सम्बंधित थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी से भी चर्चा की लेकिन उनका भी कहना है कि, कोई शिकायत नही की ओर महिला का शव भी जलाया जा चुका है, ऐसे में कोई कार्रवाई कैसे करे, अगर कोई शिकायत आती तो कार्रवाई कर सकते थे। चुंकी मामला कानूनी रिकार्ड में नही है इसलिए गाँव ओर पक्षो के नाम नही छापे गए हैं लेकिन मामले में कोई अपराध हुआ है, तो ये तय है भविष्य में ये सामने किसी भी माध्यम से बहार आएगा ही आएगा।

## उपसरपंच मांगू दादागिरी: पराई संपत्ति पर अपना हक जमाने के लिए दे रहा अपने आतंक का परिचय

**माही की गूंज, भामल। नारायण पालरा**

मांगूसिंह उपसरपंच का प्रभाव बताकर लोकेन्द्रसिंह को बुरी तरह से पिटा।

ग्राम भामल में ही केसरसिंह पिता फक्का राजपूत की खाता नंबर 637 की 32 हेक्टेयर भूमि पर उनके परदादा से अपने हक व कब्जे के साथ खेती कर रहे हैं। वही ग्राम का उपसरपंच मांगूसिंह पिता कालूसिंह अपने भाई राजेश के साथ अपने उपसरपंच होने का प्रभाव दिखाकर केसरसिंह एवं उसके परिवार से विवाद कर, केसरसिंह की हक व कब्जे की भूमि पर धीरे-धीरे अपना हक जमाने की नियत से कभी अपने ट्रैक्टर आदि संसाधन की आवाजाही करता है, तो कभी सेड़े के अंदर जाकर खेत को हाक कर अपना हक जमाने का प्रयास करता है। इस संबंध में पूर्व में कई बार मांगूसिंह चौहान, उसके भाई राजेश ने अपनी महिलाओं को आगे कर केसरसिंह व परिवार के साथ कई बार विवाद किया। वही ग्राम के पंचों ने भी केसरसिंह के पक्ष में खड़े होकर मांगूसिंह को समझाया। पर मांगूसिंह 7 वर्ष से उपसरपंच हूं, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता इतनी पकड़ मैंने ऊपर तक बना ली है, कहकर विवाद करता ही रहता है।

मंगलवार को भी मांगूसिंह, केसरसिंह के हक व कब्जे की भूमि में अपने वाहन के आगमन हेतु मशीन ले जाकर रास्ता बनाने का प्रयास किया। जिस पर आपत्ती केसरसिंह व परिवार ने ली, तो यह बात मांगूसिंह व उसके भाई राजेश को हजम नहीं हुई और मौका देख केसरसिंह के पुत्र लोकेंद्रसिंह के साथ हाथापाई कर उसे पिटा।

मामला पुलिस चौकी खवासा तक पहुंचा और लोकेंद्र सिंह की रिपोर्ट पर मांगूसिंह व राजेश के विरूद्ध पुलिस ने 323, 504 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया। वही मांगूसिंह ने भी क्रास रिपोर्ट दर्ज कर लोकेंद्रसिंह के विरूद्ध मामला दर्ज करवाया। समय रहते मांगू नहीं समझा तो ऐसे में आगे यह विवाद बड़ा रूप लेने की संभावना जताई जा रही है।

## कलेक्टर तथा एसपी ने ईवीएम-वीवीपेट वेयर हाउस का निरीक्षण किया

**माही की गूंज, झाबुआ।**

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देश के पालन में कलेक्टर तथा जिला दण्डाधिकारी सोमेश मिश्रा तथा पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने पोलेटेक्नीक कॉलेज झाबुआ में स्थापित ईवीएम-वीवीपेट वेयर हाउस का निरीक्षण किया तथा संधारित रजिस्टर में हस्ताक्षर किए। यहां पर मशीनों के सुरक्षित संधारण व सुरक्षा के संबंध में बाहरी निरीक्षण (वेयर हाउस का ताला खोले बिना अर्थात सील्ड वेयर हाउस) का निरीक्षण मंगलवार को किया गया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर अनिल भाना तथा निर्वाचन सुपरवायजर प्रकाश सिंगाडिया उपस्थित थे।

## कलेक्टर की पहल: प्रतिभावान खिलाड़ी को दी आर्थिक सहायता

**माही की गूंज, झाबुआ।**

खेलो में लगातार पिछड़ रहे खिलाड़ियों का मुख्य कारण शासन की और से उनको पर्याप्त सुविधा नही मिल पाती। कई उभरते खिलाड़ी आर्थिक रूप से सक्षम नही होने के कारण बड़े स्तर पर अपनी प्रतिभा का हुनर नही दिखा पाते। ऐसा ही एक मामला जिले के कलेक्टर सोमेश मिश्रा के सामने आया, जिले के एक प्रतिभावान कबड्डी के खिलाड़ी शिवम चौहान जो पिटोल के निवासी हैं, कबड्डी का खेल इनके द्वारा वर्ष 2014-15 से खेला जा रहा है। वर्ष 2020 में इनका सिलेक्शन नेपाल के लिए हुआ था, किंतु आर्थिक कारणों से नेपाल में इंटरनेशनल चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ी नहीं जा पाया। मीडिया एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से ज्ञात हुआ, शिवम इस बार भी इंटरनेशनल चैंपियनशिप के लिए नेपाल केवल आर्थिक कारणों से नहीं जा पा रहा हैं। इस पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तत्काल संज्ञान में लेते हुए खिलाड़ी शिवम को बुलाकर 20 हजार रूपए का चेक आर्थिक सहायता के साथ देकर उज्जवल भविष्य की कामना के साथ शुभकामना दी।

## वैकल्पिक मार्ग घटिया बनने के कारण परेशान हो रहे वाहन चालक

### करडावद-करवड़ मार्ग पर लोगो की परेशानी बड़ी

**माही की गूंज, पेटलावद।**

प्रधानमंत्री सड़क योजना के माध्यम से बन रहे करडावद-करवड़ मार्ग जो कि, थांदला-बदनावर और रतलाम-झाबुआ को जोड़ता है और उक्त मार्ग पर छोटे-बडे वाहनों की आवाजाही लगी रहती है। उक्त मार्ग पर ठेकेदार द्वारा पुलिए निर्माण का कार्य किया जा रहा है और मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को लिए वैकल्पिक मार्ग बनाया गया है, जो नियमानुसार डम्मर का होना था, लेकिन ठेकेदार द्वारा मात्र मोरम बिछाकर इतिश्री कर ली गई। जिसका खामियाजा मार्ग से गुजरने वाले वाहन ओर उनके चालको को भुगतना पड़ रहा है। मार्ग में ग्राम रामगढ़ के समीप बन रहे पुलिए के समीप से गुजर रहे वैकल्पिक मार्ग की स्थिति तो इतनी दयनीय हैं कि, रोज उक्त स्थान पर वाहन कीचड़ में फस रहे हैं जिनको निकलने के लिए घण्टो की मशक्कत ओर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। मामले की जानकारी जिम्मेदार अधिकारी और विभाग के पास भी है लेकिन ठेकेदार से जमी हुई सेटिंग के कारण किसी प्रकार की कार्रवाई या वैकल्पिक मार्ग को दुरुस्त नही किया गया है। क्षेत्र के ग्रामीणों सहित वाहन चालको की मांग है कि, मार्ग के निर्माण के दौरान बनाए गए वैकल्पिक मार्गो को डामरीकृत किया जाकर सुविधाजनक बनाया जाए।

## जीआर इन्फ्रा प्रोजेक्ट कंपनी 8 वें कार्य के साथ कर रही गुंडागर्दी

**माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पांचाल**

ग्राम चोखवाड़ा से होकर गुजर रहा 8-वे लाइन हाईवे जहां किसानों की जमीन अधिग्रहण कर चुके है, बावजुद पुनः अपनी अधिग्रहण से अधिक भूमि पर अधिग्रहण करने के लिए जबरन खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। खेत मालिक खुमान पिता बदिया जाति वसुनिया ने अपनी भूमि को अधिग्रहण करने से रोकना चाहा तो जीआर इन्फ्रा प्रोजेक्ट कंपनी रोड पर काम कर रहे मजदूरों व मैनेजर ने अपनी गाड़ी में से अचानक लठ, सरिए निकालें और जानलेवा हमला कर दिया साथ ही पत्थरों से भी हमला किया, जिससे खेत मालिक को कंधे व सिर पर चोटे लगी है। कुछ लोगों ने मारते हुए देख बीच-बचाव किया तो बिच-बचाव करने वालो पर भी हमला कर दिया। जब कंपनी के लोगो का आतंक देख ग्रामवासी एकत्रित हो गए तो गुंडागर्दी कर रहे हाईवे रोड के मजदूर एवं मैनेजर वहां से भाग निकले। वहीं रोड कंपनी वालों ने अपने बचाव के लिए पुलिस थाने पर फोन कर पुलिस को बुलवा लिया, इसके पश्चात सभी ग्रामवासी जब तक मौके पर पहुंचते रोड के मजदूर वहां से भाग निकले। सभी ग्रामीण मिलकर कायमी के लिए थाना काकनवानी पहुंचे और प्रोजेक्ट मैनेजर निरंजन सहित चार लोगों के खिलाफपुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

## मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से आयुष्मान हितग्राहियों से की चर्चा

**माही की गूंज, झाबुआ।**

आयुष्मान भारत 'निरामयम' आयुष्मान हितग्राही सम्मेलन में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने वीडियो कान्फ्रेसिंग कक्ष में वीसी के माध्यम से आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी रवि कन्नु भगोरा तथा उनकी पत्नी रानु भगोरा से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने रवि कन्नु भगोरा (थांदला) से चर्चा में पुछा कि आपको आयुष्मान योजना का लाभ प्राप्त करने में तथा आयुष्मान कार्ड बनाने में आपको कोई दिक्कत तो नहीं आई, इस पर रवि ने बताया कि मुझे बड़े आसानी से आयुष्मान कार्ड बन गया तथा मेरे पुत्र जो जन्म के बाद बोल नहीं पा रहा था। जिसका मैने झाबुआ अस्पताल में करवाया। जिस पर रुपये 32 हजार का व्यय हुआ जो आयुष्मान कार्ड से भुगतान हुआ। मेरे जैसे गरीब लोगों के लिए यह एक वरदान तथा जीवनदान जैसा सिद्ध हुआ है। मैं शासन को धन्यवाद देता हूं।

इस वीडिया कांफ्रेसिंग के माध्यम से मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेश स्तर पर सभी जिला मुख्यालयों के आयुष्मान भारत योजना के हितग्राहियों से रूबरू चर्चा की थी। इस दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, मुख्य चिकित्सा तथा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपीएस ठाकुर, सिविल सर्जन डॉ. बीएस बघेल, डॉ. सावन सिंह चौहान, डीएचओ डॉ. निसार खान पठान, डॉ. एसएस गाडरिया, जिला कार्यक्रम प्रबंधक राजाराम खन्ना तथा आयुष्मान कार्ड के हितग्राही उपस्थित थे। कलेक्टर मिश्रा द्वारा नन्हे प्यारे से रियांश को भेट स्वरूप खिलोना दिया गया।

## शस्त्र लायसेंस के लिए 10 पौधों के साथ फोटो लगाकर आवेदन करें

### पर्यावरण की सुरक्षा के लिये कलेक्टर की अभिनव पहल

**माही की गूंज, झाबुआ।**

जिले में पर्यावरण की सुरक्षा एवं बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा द्वारा एक अभिनव पहल की है। जिसके तहत जिले में जो भी व्यक्ति बन्दुक लायसेंस के लिये आवेदन करेगा आवेदन के साथ कम से कम 10 पौधे रोप कर उसका फोटो आवेदन के साथ चस्पा करना अनिवार्य किया गया है। इससे जहां जिले में हरियाली को बढ़ाने एवं लोगों में जनजागृति लाने के लिये यह छोटा सा प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा के क्षेत्र में पहला कदम होगा और बढ़ते प्रदूषण को रोकने में कारगर सिद्ध होगा।

## सकल व्यापारी संघ इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस गरिमामय रूप से मनाएगा

### - 15 अगस्त बाद व्यापारी संघ के निर्वाचन होंगे संपन्न

### - राजेन्द्र यादव एवं रमेश डोशी को बनाया गया चुनाव अधिकारी

**माही की गूंज, झाबुआ।**

सकल व्यापारी संघ झाबुआ द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमामय रूप से मनाया जाएगा। इसके साथ ही व्यापारी संघ के वर्तमान पदाधिकारियों तथा कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण होने पर चुनाव 15 अगस्त बाद आरंभ होंगे। इस हेतु सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी राजेन्द्र यादव तथा रमेश डोशी को बनाया गया। साथ ही इस दौरान सकल व्यापारी संघ द्वारा पिछले 6 वर्षों में शहर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी किए गए रेकार्ड तोड़ कार्यों का भी उल्लेख हुआ।

शहर के पैलेस गार्डन पर सकल व्यापारी संघ झाबुआ के पदाधिकारियों तथा कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसका संचालन करते हुए व्यापारी संघ के सचिव पंकज जैन ने उपस्थित समस्तजनों से आगामी 15 अगस्त, स्वत्रतंता दिवस किस तरह से मनाया जाए तथा चुनाव प्रक्रिया को लेकर भी सुझाव आमंत्रित किए। जिसमें संगठन के कैलाशचन्द्र श्रीमाल, अशोक सकलेचा, अशोक शर्मा, संजय कटकानी, मनोज बाबेल, व्यापारी संघ के उपाध्यक्ष कमलेश पटेल, संजय कांठी, जय भंडारी, भरत बाबेल ने चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से संपन्न करवाने एवं केवल अध्यक्ष का चुनाव कर उनके द्वारा संपूर्ण कार्यकारिणी गठन पर जोर दिया। गोपाल सोनी, अंकुश कांठी ने सभी सुझावों पर सहमति व्यक्त की।

### नव निर्वाचित सभी पदाधिकारी नहीं होंगे राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सकल व्यापारी संघ अध्यक्ष नीरजसिंह राठौर ने पिछले 6 वर्षों में किए गए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अध्यक्ष राठौर ने सभी से हाथ खड़े करवाकर सकल व्यापारी संघ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए ऐसे व्यक्तियों का मनोयन तथा निर्वाचन के लिए सहमति दिलवाई जो भूतकाल या वर्तमान और भविष्य में भी राजनीति से जुड़ा हुआ नहीं होना चाहिए। साथ ही अब नवीन चुनाव तक व्यापारी संघ के नए सदस्य भी नहीं बनाए जाएंगे।

### राजेन्द्र यादव तथा रमेश डोशी चुनाव अधिकारी

बैठक के दौरान ही सभी ने हाथ खड़े कर सकल व्यापारी संघ के वरिष्ठ संरक्षक राजेन्द्र यादव तथा वरिष्ठ विधि सलाहाकार रमेश डोशी का चुनाव अधिकारी के रूप में मनोनयन किया। जिनके द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि 15 अगस्त बाद चुनाव प्रक्रिया नियमानुसार तथा निष्पक्ष रूप से संपन्न करवाई जाएगी। बैठक को सफल बनाने में विशेष सहयोग नीरज गादिया, मनोज कटकानी, अमित जैन, मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी तथा हार्दिक अरोरा का रहा। अंत में आभार व्यापारी संघ के सहसचिव हरिश शाह ने माना। इस अवसर पर सकल व्यापारी संघ के वरिष्ठजनों में प्रेमप्रकाश कोठारी, मनोज संघवी, विकास शाह, नीतिन सांकी, कोषाध्यक्ष राजेश शाह, हनीफलोधी, शिरिश शाह, विजय पडिहार, पंकज सांकी, वाहिद शेख सहित अन्य व्यापारी उपस्थित थे।

## 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर जनपद पंचायत, पंचायत मुख्यालयों पर कार्यक्रम होंगे

**माही की गूंज, झाबुआ।** 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम आयोजित होगा। इस वर्ष कोरोना वायरस संक्रमण के कारण कार्यक्रमों की रूप रेखा निर्देशानुसार जिसमें जिला, जनपद पंचायत, पंचायत मुख्यालयों पर होंगे। समारोह स्थल पर सुबह 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। जहां पर मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण, राष्ट्रगान तथा संदेश का वाचन होगा। समारोह स्थल पर परेड आयोजित होगी। जिला पंचायत कार्यालय में जिला पंचायत अध्यक्ष, प्रशासनिक समिति के प्रधान, जनपद पंचायत कार्यालय में जनपद पंचायत अध्यक्ष, प्रशासनिक समिति के प्रधान, ग्राम पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष सरपंच, प्रशासनिक समिति के प्रधान द्वारा औपचारिक रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा तथा कार्यक्रम में राष्ट्र गान गाया जाएगा। ऐसे जिला पंचायत, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत जहां निर्वाचित अध्यक्ष, प्रशासनिक समिति के प्रधान उपलब्ध नहीं होने की दशा में कार्यालय प्रमुख द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। नगरपालिका, नगरपरिषद में अध्यक्ष द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। शेष नगरिय निकायों में मुख्य नगरपालिका अधिकारी द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। जिले से संबंधित सभी संसद सदस्य, विधायकगण, पार्षद तथा अन्य नागरिकों को सम्मान पूर्वक आमंत्रित किया जाए। सभी शासकीय कार्यालयों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए। कार्यालय प्रमुख द्वारा सुबह 8 बजे अपने विभाग के अधिकारी-कर्मचारी को एकत्रित कर कार्यालय भवन पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएगें तथा इस अवसर पर राष्ट्रीयगान गाया जाएगा। समस्त शिक्षण संस्थाओं में पूर्व वर्ष की भांति सुबह 8 बजे या इसके पूर्व ध्वजारोहण व राष्ट्रगान का सामूहिक गान किया जाए। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में स्कुली बच्चों को शामिल नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा की आवश्यक व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। कार्यक्रम स्थल पर सेनेटाईजर, मास्क तथा सामाजिक दूरी का विशेष ध्यान रखा जाए। सार्वजनिक भवनों तथा राष्ट्रीय महत्व की इमारतों में 14 तथा 15 रात में प्रकाश की व्यवस्था की जाए। कोविड-19 को दृष्टिगत रखते हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, कारगिल में शहिद हुए सेनिकों के परिवारों तथा प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों को घर जाकर साल श्रीफल से सम्मानित किया जाए। कोविड-19 के दिशा निर्देशों का पालन किया जाए।

## दो वर्ष से फूटा पड़ा तालाब, न तालाब बना न ही भ्रष्टों पर हुई कार्रवाई

# भाजपा की जिला मंत्री व पंचायत सरपंच रामकन्या मखोड़ पर कौन करेगा कार्रवाई ?

**माही की गूंज, पेटलावद/बामनिया।**

विकास खण्ड में ग्राम पंचायतों के भ्रष्टाचार को कहानी कोई नई नही है। सत्तापक्षीय नेता, अधिकारीयों से मिलकर ऐसी बंदर बांट में लगे हुए है कि खुले भ्रष्टाचार को भी स्वीकार करने को तैयार नही है। मतलब साफ है, पूरा बॉस पोला है, क्योंकि मामला सिर्फस्थानीय स्तर से ही नही सीएम हेल्पलाइन से आने वाली जांच को भी दबाने के लिए गुमराह करने वाले निराकरण पेश कर मामला रफा-दफा किया जा रहा है। जनपद पेटलावद के सीईओ एनएस चौहान के राज में भ्रष्टाचरियों को मानो पंख लग गए हैं और विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव और रोजगार सहायक पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर होकर रोज नए-नए भ्रष्टाचार को अंजाम दे रहे हैं। जिनके प्रमाण सहित हो रहे खुलासे भी नाकाफी साबित हो रहे हैं।

### दो वर्ष पहले बना तालाब पहली बारिश में ही फुटा अब तक नहीं बना

ग्राम पंचायत बामनिया द्वारा वर्ष 2019 में मनरेगा योजना के माध्यम से लगभग 10 लाख रूपए की लागत से पंचायत के काजलिया फलिए में खदान वाली नाकि में तालाब का निर्माण किया गया। लेकिन तालाब का निर्माण इतना घटिया स्तर का था कि, पहली ही बारिश में तालाब फुट गया। मामला मीडिया में आया शिकायत भी हुई, मामले सीएम हेल्पलाइन तक शिकायत की गई, लेकिन ग्राम पंचायत और अधिकारियों ने गुमराह करने वालो ने जवाब देकर जल्द ही तालाब के पुनः निर्माण करने की बात कही। लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी तालाब का पुनः निर्माण नही किया गया।

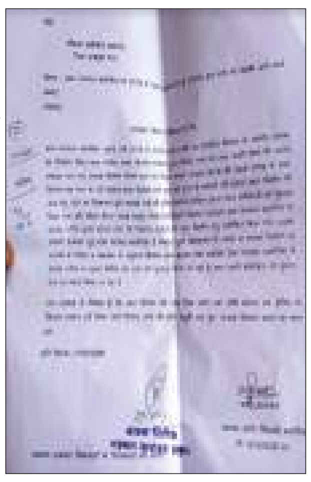

### मंडल अध्यक्ष की पंचायत, सरपंच खुद भाजपा की जिला मंत्री कौन करे कार्रवाई

ग्राम पंचायत बामनिया पेटलावद मंडल की महत्त्वपूर्ण पंचायत है। खुद मंडल अध्यक्ष बामनिया से आते हैं वही जून माह में घोषित हुई भाजपा की जिलाकार्यकारिणी में बामनिया से रामकन्या मखोड को जिला मंत्री बनाया गया जो की ग्राम पंचायत की प्रधान (सरपंच) भी है। विकास खण्ड में कई पंचायतो ऐसा मामले सामने आए हैं जहाँ भाजपा के मंडल, मोर्चा और जिले के पदाधिकारी भ्रष्टाचार के मामलो में सीधे लिप्त पाए गए हैं और शिकायतों के बाद भी इन पर किसी प्रकार की कार्रवाई नही हुई है। ऐसे में ग्राम पंचायत की सरपंच और भाजपा जिला मंत्री रामकन्या मखोड ओर पेटलावद मण्डल अध्यक्ष वाली पंचायत में हुए खुले भ्रष्टाचार पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई होगी इसमें संशय है।

### सीएम हेल्पलाइन पर हुआ निराकरण

तालाब फूटने के बाद ग्राम पंचायत द्वारा वापस तालाब का निर्माण नही किए जाने पर पंचायत के यसवंत डामर ने 4 जुलाई 2020 को सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाई, जिसका शिकायत क्रमांक 11685308 दिया गया। जिस पर ग्राम पंचायत के सचिव ने कार्य को अपूर्ण बताकर शिकायत का निराकरण करवा दिया। जिस पर शिकायतकर्ता निराकरण से असंतुष्ट होकर द्वारा दोबारा शिकायत 1 अगस्त 2020 को की गई, जिसका शिकायत क्रमांक 11906281 दिया गया, लेकिन उक्त शिकायत को भी पंचायत और जनपद पेटलावद की मिली भगत से निपटा दिया गया। इस बार ग्राम पंचायत ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत का निराकरण करते हुए बताया कि, निर्माण कार्य पूर्ण नही है और कार्य जल्द पूर्ण करने का बोल कर शिकायत बन्द करवा दी।

### कलेक्टर को फिर की शिकायत, राजनीतिक दबाव के बीच क्या कर पाएंगे कार्रवाई?

मामले की शिकायत एक बार फिर कलेक्टर सोमोश मिश्रा को 27 जुलाई को शिकायतकर्ता यशवंत डामर द्वारा लिखित में कई गई है। लेकिन राजनीतिक दबाव में घिरे प्रशासन और अधिकारी इस मामले में कोई बड़ी कार्रवाई कर पाएंगे इस पर कुछ कहा नही जा सकता है।

जानकारी अनुसार शिकायत के बाद जिला मंत्री, पेटलावद मंडल अध्यक्ष और सरपंच पति की तिकड़ी एक ओर जिला पदाधिकारी के साथ मिलकर मामले को रफा-दफा करने के लिए जिले के बड़े नेता के घर हाजरी लगा चुके हैं।

वही शिकायतकर्ता यशवंत डामर का कहना है, कलेक्टर सोमेश मिश्रा पर पूरा भरोसा है कि वो बिना किसी राजनीतिक दबाव में आए भ्रष्टाचार करने वालो पर कार्रवाई करेंगे।

## पंचायत कर्मीयों की हड़ताल से पंचायत का कार्य हो रहा प्रभावित

**माही की गूंज, थांदला।**

अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गत 22 जुलाई से धरने अर बैठे पंचायत, जनपद कर्मचारी संघ सयुक्त मोर्चा लगातार 14 दिन से हड़ताल पर होकर आज 15 दिन होने जा रहे है। इन कर्मचारियों की लंबी खिंच रही हड़ताल पर शासन द्वारा कोई निर्णय नही लिए जाने से ग्रामीणों के कार्य प्रभावित हो रहे है।

संगठन के संयोजक रामचन्द्र मालीवाड़, सह संयोजक कांतिलाल परमार ने बताया कि, संगठन से जुड़े कर्मचारी अपनी वाजिब मांगो को लेकर शासन प्रशासन को अनेको मर्तबा मांग कर चुका, किन्तु जवाबदार सरकार और प्रशासन पर इसका कोई असर नही होने के चलते मजबूरन काम बंद कर हड़ताल पर उतरना पड़ा। संगठन ने मांग की है कि, जब तक सरकार हमारी पूरी मांगे नही मान लेती तब तक अनिश्चित कालीन हड़ताल जारी रहेगी। हड़ताल के चलते जहां ग्राम पंचायतों के कामकाज ठप पड़े वही ग्रामीण शासकीय योजनाओ का लाभ लेने से वंचित हो रहे है।

### 5 हजार का सहयोग

अपनी मांगो को लेकर धरने पर बैठे मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विभाग संयुक्त मोर्चा थांदला जिला झाबुआ द्वारा कब्बडी खिलाड़ी शिवम चौहान ने सहयोग स्वरूप 5 हजार रूपए संगठन के बैंक खाते में जमा किए।

## चौराहो पर लगे सीसीटीवी केमरो को चालु करने की कवायद

**माही की गूंज, थांदला।**

नगर पंचायत परिषद ने नगर के प्रमुख चौराहो पर लगाए गए सीसीटीवी केमरो को चालु करने की कवायद शुरू कर दी है। परिषद ने पूरे नगर मे 47 सीसीटीवी केमरे लगाने का कार्य झाबुआ की फर्म सीसीटीवी पाईट को 9 लाख 50 हजार मे दिया था, जिसने करीब डेढ माह पूर्व ही कार्य शुरू कर दिया था, जिसे अब पुर्ण किया जा रहा है। फर्म का कहना था, हमारे द्वारा 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर दिया गया था बीच मे लॉकडाउन लग गया और नगर मे लगाई गई हमारी 300 मीटर केबल भी चोरी हो गई थी इस वजह से कार्य विलंब हो गया था।

गौरतलब है कि, पिछले दिनो नगर के मध्य आजाद मार्ग मे एक ग्रामीण युवक के साथ ठगी की वारदात होने पर कैमरे बंद पाए गए थे, उसके बाद नगर परिषद जागी और तत्काल कैमरे चालु करने के लिए फर्म को कार्य प्रारंभ करने के निर्देष दिय गए। कैमरे चालु हो जाने पर नगर की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद हो सकती है, जिससे अपराधी की पहचान करने व धरपकड करने मे पुलिस को मदद मिल सकती है।

## गौमाता सनातन धर्म का पर्याय, भारतीय संस्कृति की पहचान- गौसंत जगदीश गोपाल

**माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)।**

हल्दीघाटी से साढ़े नौ वर्ष पहले 31 वर्षिय गौपर्यावरण एवं अध्यात्म चेतना पदयात्रा के पुनित और पावन संकल्प के साथ शुरु हुई। राष्ट्रीय क्रांतिकारी गौसंत जगदीश गोपाल महाराज की पदयात्रा का भव्य विहार छोटी सरवा से कुशलगढ़ के मोहकमपुरा कस्बे में सोमवार सांय को होने पर मारूति मानस मंडल सहित श्री राम शरणम् मंडल और ग्रामीणों की और से भव्य स्वागत किया गया। सोमवार को गौसंत का विहार और रात्रि विश्राम स्थानिय विद्या निकेतन परिसर में हुआ, वही मारूति मानस मंडल की और से भजन संध्या का आयोजन हुआ। मंगलवार प्रातः कस्बे के नरसिंह मंदिर प्रांगण से भव्य कलशयात्रा के साथ चेतना पदयात्रा विद्या निकेतन प्रांगण में पहुंची, जहां जगह-जगह ग्रामीणों की और से पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया।

आयोजित धर्म सभा को संबोधित करते हुए गौसंत जगदीश गोपाल महाराज ने कहा कि, गौमाता सनातन धर्म का प्राण है और भारतीय संस्कृति की पहचान है। गौसंत ने धर्मसभा में मौजूद धर्मप्रेमी सज्जनो और माताओं बहनों को मानव के जन्म से लेकर मरण तक गौमाता की कृपा से अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए विस्तार से वेद और उपनिषद के आधार पर जानकारी देकर गौसेवा के साथ रक्षा और सुरक्षा का संकल्प दिलवाया। हल्दीघाटी से 31 वर्षिय गौ चेतना संकल्प को लेकर सम्पूर्ण भारत वर्ष में शुरू हुई पदयात्रा को साढ़े नौ वर्ष हो चुके हैं, जिसमें अब तक 75 हजार किलोमीटर की पदयात्रा में 18 हजार गांवों तक गौ पर्यावरण अध्यात्म चेतना का संदेश दिया गया है। धर्मसभा में गौसंत ने गौसेवा और सुरक्षा के साथ पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन हेतु अधिक से अधिक पेड़ लगाने, हर परिवार में एक देशी गौमाता का पालन करने, कन्या भ्रूण हत्या रोकने, सहित सामाजिक कूरूतियो को दूर करने के साथ गौमाता से जोड़कर सनातन धर्म का व्याख्यान दिया। भारत भूमि ऐसी पवित्र और पावन तीर्थ भूमि है, जहां देवता भी जन्म लैने तरसते हैं तथा समय-समय पर पाप बढ़ने पर मानव रूप में धरती पर जन्म लेकर सम्पूर्ण मानव जाति का कल्याण करते हैं। धर्मसमा के बाद सामूहिक आरती के पश्चात धर्म सभा का समापन हुआ, वही गौसंत ने गुरुदीक्षा देकर दोपहर को पदयात्रा का मंगल विहार सैंकड़ों ग्रामीण महिला-पुरूष और बच्चों की अगुवाई में कुशलगढ़ नगर की और हुआ। जिसमें छोटी सरवा सहित मोहकमपुरा और आस-पास के गांवों से ग्रामीणजन शामिल हुए। इस दौरान मारूति मानस मंडल के सरंक्षक राजेश टेलर सहित मंडल के सदस्य, श्री राम शरणम् प्रमुख जोरावर सिंह डोड, कमलेश राठौर सहित सदस्यगण, देवेंद्र जोशी, लक्ष्मणसिंह गौड़, नितिन बोहरा, हिरासिंह राठौड़, बहादूर सिंह डोड, भीम सिंह चावडा, राजपूत समाज के मुखिया तेरसिंह चावडा, जगमालसिंह चावडा, लाडुसिंह राठौड़, बहादूरसिंह राठौड़, नाहर सिंह राठौड़, अंकित पंचाल, नारायण सिंगाड सहित मोहकमपुरा कस्बे सहित आस-पास के गांवों से सैकड़ों महिला-पुरूष और बच्चों ने भाग लिया।

## वृहद मातृभूमि पौधरोपण का हुआ शुभारंभ, 1111 पौधे लगाने का लक्ष्य

**माही की गूंज, मेघनगर।**

प्रकृति हमारी मां है और हमें अपनी भारतीय संस्कृति से प्रेरणा मिलती है कि, हमें अपने माता-पिता को जीवन में भगवान स्वरूप दिखाया है, पोधरोपण उसी श्रंखला में अपने मातृभूमि की सेवा है। उक्त स्वागत भाषण रोटरी क्लब अपना अध्यक्ष निलेश भानपुरिया ने कहा व अतिथियों का स्वागत रोटरी क्लब अपना मेघनगर के साथियों ने पुष्प से किया। मंगलवार को आयोजित समारोह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ व संघचालक आकाश चौहान द्वारा उद्यान में प्रथम पोधरोपण किया गया। आकाश चौहान ने भारतीय परंपरा व वेदों में दिए प्रारूप को समझाया एवं पोधरोपण कर पोधे लगाने व उनका महत्व बताया व रोटरी क्लब के कार्यो की सराहना की।

समारोह के प्रथम चरण में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती संगीता सोनी, समाज सेवी उद्योगपति विनोद बाफना, जयंत सिंघल, आत्म स्वरूप सिन्हा, मेघनगर के प्रथम चार्टर्ड अकाउंटेंट बलवंत हाड़ा ने मां भारती के चरणों में दीप प्रज्वलित कर किया। गणेश वंदना श्रीमती चंदनबाला शर्मा ने मधुर आवाज से कि। समारोह में रोटरी क्लब अपना मेघनगर के संस्थापक भारत मिस्त्री, मांगीलाल नायक, डॉक्टर किशोर नायक, महेश प्रजापति, राजेश भंडारी, कयूम खान, पंकज राका, निसार पठान, नारायण नायक, ऋषि राका आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में नगर के वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश भंडारी, विमल जैन, सलीम सेरानी, अनूप भंडारी, पंकज बडोला, भूपेंद्र बरमंडलिया, दशरथसिंह कट्ठा, सुनील डाबी, फारुख शेरानी, रहीम शेरानी, इमरान शेख, कवि निसार पठान आदि मौजूद थे।

मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता सोनी ने अपने उद्बोधन में रोटरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए रोटरी के कार्यों की सराहना करते हुए 1111 पौधे का पोधरोपण कार्यक्रम में पूर्णतः सहयोग की घोषणा की व जल्द से जल्द मेघनगर में स्व-सहायता समूह से सिलाई व अन्य कार्य हेतु आश्रम स्थल पर प्रारंभ करने की घोषणा की।

जानकारी देते हुए रोटरी क्लब अध्यक्ष निलेश भानपुरिया ने बताया, हमारा प्रथम चरण जिसमें 251 पौधे मई ट्री गार्ड लग चुके हैं व उद्यान का कार्य चालू हो चुका है। कार्यक्रम के अंतिम चरण में अतिथि व श्रोताओं का आभार सचिव महेंद्र सिंह सोलंकी ने माना व राष्ट्रगान रोटेरियन आरती भानपुरिया ने करवाया।

## विद्यार्थी को लाईट सुधारते समय लगा करन्ट, हुई मौत

**माही की गूंज, थांदला।**

थांदला के समीप चेनपुरी में करन्ट लगने से एक की मौत हो गई। मुकेश पिता मानसिंह राणा ग्राम चैनपुरी के घर पर रात में लाइट नही थी, पता चला की तार टूट गया है। उसने सोचा की तार जोड़ दु ताकि मेरी ऑनलाइन पढ़ाई हो सके। मुकेश जैसे ही लाइट के तार जोड़ने गया बारिश के कारण जगह गीली थी जैसे ही तार जोड़े वैसे ही करेन्ट लग गया, जिसके करन्ट लगने से उसकी मृत्यु हो गई।

परिजन ने बताया कि, विद्युत विभाग व लाइनमैन को बार-बार लाइन जोड़ने का मौखिक रूप से कहा था, मगर लाइन नही जुड़ी। इसी बारे में हमारे प्रतिनिधि ने विद्युत मंडल सम्पर्क किया तो बताया कि, हमारे पास कोई जानकारी या सूचना नही है अगर शिकायत करते तो कार्रवाई करते और बारिश के कारण सभी को ध्यान रखना चाहिए।

मृतक मुकेश के पिता मानसिंह राणा का कहना है कि, ऐसी लापरवाही के चलते मैंने अपना बेटा खोया है। कोई दूसरा इस तरह से काल के गाल में न समा जाए, इसलिए सावधानी रखें, बच्चों को समझाए। साथ ही विद्युत मंडल विभाग को लोगों की समस्या को तुरंत हल करना चाहिए ताकि आम लोग इस तरह के प्रयास में अपना जीवन न गंवाए।

**पलायन का परीणाम...**

# मजदूरी के लिए दाहोद गए मजदूरों को नहीं मिला वेतन

**माही की गूंज, थांदला।**

क्षैत्र के मजदूरो के साथ गुजरात के दाहोद तालुका मे मजदूरी का भुगतान नही कर धोखाधडी करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम वडलीपाडा के दिनेश पिता कालिया चरपोटा तथा कांतु पिता मल्ला भूरीया ने थाने मे आवेदन देकर बताया कि, वह लेबर कांट्रेक्टर होकर मजदूरो को कार्य करने के लिए गुजरात राज्य मे ले जाते है। हमारे करीब 40 मजदूर व 12 ड्रायवर समीपवर्ती गुजरात राज्य के दाहोद नगर स्मार्ट सिटी मे सफाई व्यवस्था का कार्य कर रहे थे, जिसमे हमारे ड्रायवर द्वारा कचरा वाहन चलाने व मजदूर घर-घर से कचरा एकत्रित करने का कार्य करते है, जिनमे महिलाए भी शामिल है। हम लोगो को उक्त कार्य दाहोद के सुमितसिह व हितेशभाई के माध्यम से मिला था। हमारे ग्राम के मजदूर पिछले 5 माह से उक्त कार्य कर रहे है जिसका भुगतान करीब 6 लाख 50 हजार अभी तक नही किया गया है। हम जब भी सूमितभाई से मजदूरो को भुगतान की बात कि, तो नगर निगम से भुगतान नही मिलने या अन्य बहाने बनाकर टालमटोल करते रहते थे। हमने भुगतान के लिए ज्यादा दबाव बनाया तो ठेकेदार ने ग्राम करज दाहोद के दो व्यक्ति जो ठेकेदार का ही अन्य कार्य करते है नरेश पिता कालिया भाबर तथा कालिया को हमसे झगडा करने भेजा और दोनो व्यक्ति हमारे मजदूरो को डराया धमकाया व काम छिनने की धमकी दी। जिस वजह से हमारे मजदूर काफी भयभीत हो गए तथा शेष भुगतान लेकर घर जाने की बात कहने लगे। मैने उक्त बात ठेकेदार को बताई तब ठेकेदार ने भुगतान करने से मना कर दिया और रविवार की रात्रि 12 बजे के लगभग मे मजदूरो के अस्थाई झोपडे के बाहर नरेश व कालिया धारदार हथियार लेकर सभी को खत्म कर दो ऐसा कहकर चिल्लाते रहे तथा पुलिस के पास जाने पर जान से मारने की बात कहते रहे। हमारे सभी मजदूर काफी डर गए और रात्रि मे ही गांव जाने की जिद करने लगे इसलिए हम तीन कचरा वाहन क्र. जीजे 20 एक्स 2816, जीजे 20 एक्स 2768, जीजे 20 एक्स 2745 मे सभी को बिठाकर घर ले आए।

फरियादी ने मजदूरो के साथ अप्रिय घटना घटित होने व टेम्पो कचरा वाहन चोरी की रिपोर्ट किए जाने की संभावना को देखते हुए तीनो टेम्पो थाने मे खडे कर अपना बकाया भुगतान दिलावाए जाने की गुहार लगाई। पीडीतो से मिलने के लिए विधायक वीरसिंह भूरीया भी थाने पर पहुंचे तथा थाना प्रभारी को दाहोद पुलिस व कंपनी से संपर्क कर मामले को सुलझाने के निर्देश दिए।

स्मार्ट सिटी कान्टेक्टर सुमितसिंह का कहना है कि, यह मजदूरो के आपसी विवाद का मामला है, कपंनी का इससे कोई लेना-देना नही है। मजदूरो का माह जून पेटे मात्र 2 लाख रूपए शेष देना है, जिसके लिए भी मेरे द्वारा दो-तीन दिन मे भुगतान करने का आश्वासन दिया गया था।

वही थाना प्रभारी थांदला कौशल्या चौहान का कहना है कि, मजदूरों का मामला गुजरात राज्य का होने से हम हस्तक्षेप नही कर सकते है, कंपनी के लोग आए है वो मजदूरो से मिलकर मामला सुलझाएंगे, स्मार्ट सिटी के कचरा वाहन थाना परिसर मे खडे है।

## संपादकीय

# पत्थरबाजी करते पकड़े गए युवा को न तो सरकारी नौकरी न ही पासपोर्ट

ऐसे वक्त में जब जम्मू-कश्मीर को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग-थलग रखने वाले अनुच्छेद 370 को हटाए दो वर्ष होने को हैं, प्रशासन ने घाटी के युवाओं को अराजक कृत्यों में शामिल होने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। पाक के तमाम अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत के इस कदम के खिलाफ रुदन और पाकपरस्त कश्मीरियों के उसके सुर में सुर मिलाने का उपक्रम कश्मीर की फिज़ा को खराब नहीं कर पाया। पहले केंद्र सरकार की सख्ती और बाद में कोरोना संक्रमण का दंश और उसे रोकने के लिए लगी पाबंदियों ने भारत विरोधी मुहिम को सिरे न चढ़ने दिया। वहीं सुरक्षा बलों ने जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए बड़े आतंकवादियों का सफाया किया। लेकिन अब जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आतंकवादियों के जाल में फंसे स्थानीय युवाओं को सेना व सुरक्षाबलों पर पत्थरबाजी करने से बाज आने को लेकर चेताया है। प्रशासन ने फैसला किया है कि, पत्थरबाजी करते पकड़े गए युवा न तो अब सरकारी नौकरी के लिए आवेदन कर सकेंगे और न ही उन्हें पासपोर्ट हासिल करने की अनुमति मिल पाएगी। उसके लिए सीआईडी की संस्तुति जरूरी होगी। केंद्रशासित प्रशासन के इस निर्णय का मकसद जहां दीर्घकाल में युवाओं को आतंकवादियों के प्रलोभन व बहकावे में आने से रोकना है, वहीं दूसरी ओर अनुच्छेद-370 को हटाने की वार्षिकी नजदीक होने के चलते किसी संभावित अराजक कोशिशों पर रोक लगाना भी है। इसमें दो राय नहीं कि, मोदी सरकार के साहसिक फैसले के बाद कश्मीरी लोगों में ऊहापोह की स्थिति थी और सीमा पार तथा भीतर के पाक समर्थकों द्वारा युवाओं को बरगलाया जा रहा था कि, उनका भविष्य अंधकारमय है। इसी दुविधा में कुछ भ्रमित युवा आतंकवादियों के प्रलोभन या भावनाओं में बहकर सेना व पुलिस पर पत्थर फेंकने लगे थे। ये काम उन्हें मामूली रकम देकर भी कराया जा रहा था। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में इन फोटुओं के जरिए दमन की तस्वीर उकेरने की साजिश की जा रही थी।

नि:संदेह, हाल के दिनों में कश्मीर घाटी में आतंकवादी घटनाओं के ग्राफमें तेजी से गिरावट आई है। एक ओर जहां प्रशासन की सख्ती है, वहीं पाक से लगी सीमा पर चौकसी से घुसपैठ पर काफी अंकुश लगा है। जिसके चलते खिसियाया पाक अब ड्रोन की मदद से अपने नापाक मंसूबों को अंजाम दे रहा है। बहरहाल, इसके बावजूद कश्मीर प्रशासन की कोशिश होनी चाहिए कि, आतंकवाद की पृष्ठभूमि से किसी भी तरह के जुड़ाव रखने वाले युवाओं को देश की मुख्यधारा में शामिल करने के प्रयास हों। प्रशासन के स्तर पर सख्ती तो ठीक है, साथ ही लोगों का विश्वास हासिल करने का भी प्रयास करना चाहिए। नई पीढ़ी के युवाओं को आतंकवादी सोच के लोगों के चंगुल में फंसाने से बचाने के लिए दीर्घकालीन रणनीति पर विचार किया जाए। बहुत संभव है कि, देशव्यापी रोजगार संकट के चलते चंद रुपयों के प्रलोभन में कुछ युवा दहशतगर्दों के बहकावे में पत्थरबाजी के लिए तैयार हो जाते होंगे। यदि हर हाथ को काम मिल जाए तो शायद वे कच्चे प्रलोभन में फंसकर देश विरोधी कार्य नहीं करेंगे। ऐसे में घाटी की संवेदनशीलता को देखते हुए व्यापक स्तर पर व्यावहारिक रोजगारपरक कार्यक्रम चलाने की जरूरत है। धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर में पर्यटन उद्योग, ऊनी उत्पादों व कुटीर उद्योग-धंधों से जुड़े तमाम तरह के रोजगार के अवसर सृजित किए जा सकते हैं। जरूरी नहीं कि, हरेक को सरकारी नौकरी मिल सके। लेकिन रोजगार सृजन को लेकर ठोस व व्यावहारिक रणनीति तैयार करनी चाहिए। साथ ही हालातों के चलते कुछ युवा भटके हैं तो उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा में लाने के लिए उदार रवैया भी अपनाया जा सकता है ताकि वे फ़िर से राष्ट्र विरोधियों के चंगुल में न फंसें। प्रशासन की हालिया पहल का सख्त संदेश युवाओं में निश्चित रूप से जाएगा। इससे पहले जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कई ऐसे सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया, जो देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त थे। प्रशासन की सख्ती भी जरूरी है लेकिन दीर्घकालिक लक्ष्यों को पाने के लिए नागरिकों को विश्वास में लेने के लिए उदारता भी जरूरी है।

# अमीरों के पलायन से उपजे प्रश्न

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

एफ्रो एशियन बैंक द्वारा 2018 में प्रकाशित ''ग्लोबल वेल्थ माइग्रेशन रिव्यू'' में बताया गया कि, उस वर्ष चीन से 15 हजार अमीरों ने पलायन किया, रूस से 7 हजार ने, तुर्की से 4 हजार ने और भारत से 5 हजार अमीरों ने पलायन किया। इन चार में पहले तीन देश चीन, रूस एवं तुर्की में तानाशाही सरकार है जबकि भारत में लोकतांत्रिक। हम मान सकते हैं कि, चीन आदि देशों से पलायन का कारण वहां की तानाशाही और घुटन हो सकती है लेकिन भारत का इस सूची में सम्मिलित होना खतरे की घंटी है क्योंकि हमारे यहां लोकतंत्र विद्यमान है। एफ्रो एशियन बैंक ने यह भी बताया है कि, इन देशों से पलायन किए अमीरों में 12 हजार ऑस्ट्रेलिया गए, 10 हजार अमेरिका, 4 हजार कैनेडा और 100 से अधिक मॉरिशस गए। इनमें ऑस्ट्रेलिया आदि पहले 3 देशों की बात समझ में आती है क्योंकि ये विकसित देश हैं। लेकिन मॉरिशस को 100 से अधिक अमीरों का पलायन चिंता का विषय है क्योंकि यदि मॉरिशस अमीरों को आकर्षित कर सकता है तो निश्चित रूप से भारत के लिए भी इन्हें आकर्षित करना संभव होना चाहिए था। लेकिन हमारी चाल उल्टी है और तेज होती जा रही है।

कोविड के संकट से पलायन की यह गति और तीव्र हो गई है। हेनेली एंड पार्टनर्स कंपनी द्वारा अमीरों को एक से दूसरे देश में पलायन करने में मदद की जाती है। इनके अनुसार वर्ष 2020 में भारत से पलायन करने वालों में 63 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हमारे यहां से पलायन किए अमीर किसी दूसरे देश में जाकर बसे हैं वहां भी कोविड का संकट था। इसलिए कोविड को पलायन में वृद्धि का कारण नहीं बताया जा सकता।

भारतीय विद्वानों द्वारा पलायन के तीन कारण बताए जा रहे हैं। पहला कि, भारत में आयकर की दर अधिक है। यह नहीं टिकता है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में भी आयकर की दरें ऊंची हैं। दूसरा कि, भारत में शिक्षा के अवसर उपलब्ध नहीं हैं। यह नहीं टिकता है क्योंकि भारत की तुलना में मॉरिशस में शिक्षा के अवसर बहुत ही कम हैं। तीसरा कि, तकनीक और बैंकिंग क्षेत्रों में अवसर कम हैं। यह भी नहीं टिकता क्योंकि इंफोसिस एवं टाटा कंसलटेंट जैसी तमाम कंपनियां भारत में काम कर रही हैं, निजी बैंकों में भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं।

भारत से पलायन का पहला सच्चा कारण सुरक्षा का है। माना जाता है कि, देश की पुलिस अकर्मण्य और भ्रष्ट है। अमीरों को अपने परिवार की सुरक्षा की विशेष चिंता होती है। वे नहीं चाहते कि, किसी चौराहे पर उनके परिवार को अगवा कर लिया जाए। दूसरा कारण धार्मिक उन्माद है। अमीर लोग धन कमाना चाहते हैं, उन्हें शांत और स्थिर सामाजिक वातावरण चाहिए होता है। अपने देश में धार्मिक विवाद पूर्व से ही थे, वर्तमान समय में ये बढ़ ही रहे हैं। तीसरा कारण मीडिया और मनोरंजन की स्वतंत्रता का अभाव है। वर्तमान समय में सरकार द्वारा पूरा प्रयास किया जा रहा है कि, आलोचना को दबाया जाए आलोचकों को देशद्रोह के मामलों में उलझाया जा रहा है, सरकार द्वारा आलोचक मीडिया पर भी विभिन्न प्रकार से दबाव बनाया जा रहा है।

इन 3 कारणों से भारत से अमीरों का भारी संख्या में पलायन हो रहा है और इस पलायन का फ्ल है कि, देश की आर्थिक विकास दर 2014 से 2019 से पिछले 5 वर्षों से लगातार गिर ही रही थी। वर्तमान समय में कोविड के संकट में इसमें और तीव्र गिरावट आई है। भारत की अर्थव्यवस्था एक वैक्यूम क्लीनर द्वारा संचालित की जा रही है जो देश की संपत्ति को खींच कर विदेशों को भेज रहा है। कोई आश्चर्य नहीं है कि, कोविड के संकट के कारण हम चीन से आगे निकलने के स्थान पर और पीछे होते जा रहे हैं।

इस परिस्थिति में सरकार को निम्न कदमों पर विचार करना चाहिए। पहले, सुरक्षा का वातावरण सुधारने के लिए शीर्ष पुलिस अधिकारियों का बाहरी मूल्यांकन कराना चाहिए। पांचवें वेतन आयोग ने सुझाव दिया था कि, सभी क्लास-ए अधिकारियों का हर 5 वर्ष में बाहरी मूल्यांकन कराया जाए। इससे सरकार को सूचना मिलेगी कि, कौन अधिकारी देश के नागरिकों की सुरक्षा वास्तव में हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा सरकार द्वारा एक अलग पुलिस भ्रष्टाचार जासूस तंत्र स्थापित किया जाना चाहिए जो पुलिस महकमे में व्याप्त भ्रष्टाचार को स्वतः संज्ञान लेकर ट्रैप करे।

दूसरा विषय धार्मिक उन्माद का है। धार्मिक उन्माद केरल राज्य में पिछले 70 वर्षों में व्याप्त नहीं था। केरल के लोगों से पूछो कि, वे हिन्दू हैं या ईसाई तो वे भौचक होकर देखते थे। उन्हें समझ नहीं आता था कि, यह सवाल क्यों पूछा जा रहा है। केरल में शिक्षा का स्तर अधिक होना इस धार्मिक सामंजस्य का एक कारण हो सकता है। वहां के नागरिक एक-दूसरे के धर्म के मर्म को समझते हैं और एक-दूसरे से घृणा नहीं करते। मलेशिया में धार्मिक शांति स्थापित है यद्यपि विभिन्न धर्मों के अनुयायी वहां रहते हैं। इस दिशा में सरकार को हर राज्य में ''इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी'' की तरह ''इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़रिलीजन'' स्थापित करना चाहिए। यहां विभिन्न धर्मों के विभाग हों और एक ही छत के नीचे धर्मों के बीच सौहार्दपूर्ण वार्तालाप हो तब समाज में भी यह सौहार्द फैलेगा।

तीसरा विषय मीडिया का है। सरकार को आलोचकों को अपना विरोधी मानने के स्थान पर अपना सहयोगी मानना चाहिए। कोई नेता ब्रह्मज्ञानी नहीं होता, गलतियां हर एक से होती हैं। यदि गलतियों की तरफ शीघ्र ध्यान दिया जाए तो नेता अपने को शीघ्र सुधार लेता है और अधिक समय तक शीर्ष पर बना रहता है। इसलिए सरकार को चाहिए कि, आलोचक मीडिया को अपना विरोधी मानने के स्थान पर अपने सहयोगी के रूप में देखे और उन मीडिया को विशेषकर पुरस्कृत करें, जिनकी आलोचना से सरकार को अपने कदम सुधारने में लाभ मिला है।

अंत में एक और कदम सरकार को उठाना चाहिए। जो शिक्षित एवं अमीर देश छोड़कर पलायन करना चाहते हैं, उनसे भारत की नागरिकता छोड़ने के लिए विशेष टैक्स लगाकर भारी रकम वसूल करनी चाहिए। देश में ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने किसी समय अमेरिका की नागरिकता ले ली थी और बाद में वे उस नागरिकता को छोड़ना चाहते थे। अमेरिकी सरकार ने नागरिकता छोड़ने के लिए उनसे भारी मात्रा में एग्जिट टैक्स वसूल किया। अमेरिकी सरकार का कहना था कि, नागरिक के रूप में उन्होंने जिन अमेरिकी सुविधाओं का उपयोग किया है, उसका उन्हें पेमेंट करना होगा। इसी प्रकार भारत से पलायन करने वाले शिक्षित और अमीरों पर एग्जिट टैक्स लगाना चाहिए।

# विचार मंथन : यूएन में भारत

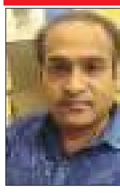

सिद्धार्थ शंकर

अगस्त से पूरे एक महीने के लिए भारत के हाथों में दुनिया की सबसे शक्तिशाली संस्था संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कमान आ गई है। सोमवार से भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभाल चुका है और इस माह के दौरान यह समुद्री सुरक्षा, शांति स्थापना की कवायद करने और आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करने को तैयार है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष के तौर पर भारत की ताजपोशी से पाकिस्तान को डर सताने लगा है। आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करने की भारत की नियत से डरे पाक ने उम्मीद जताई कि, भारत अपने कार्यकाल के दौरान निष्पक्ष होकर काम करेगा। बता दें कि, सुरक्षा परिषद के एक अस्थाई सदस्य के रूप में भारत का दो वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी, 2021 को शुरू हुआ। यह सुरक्षा परिषद के गैर स्थाई सदस्य के तौर पर 2021-22 कार्यकाल के दौरान भारत की पहली अध्यक्षता है। भारत अगले वर्ष दिसंबर में फिर से सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा।

अपनी अध्यक्षता के दौरान भारत समुद्री सुरक्षा, शांति रक्षा और आतंकवाद को रोकने जैसे विषयों पर ध्यान देगा तथा इन मुद्दों पर उच्च स्तरीय कार्यक्रमों की अध्यक्षता करेगा और ठोस रणनीति बनाने पर जोर देगा। भारत परिषद के भीतर और बाहर दोनों जगह आतंकवाद से लडने् पर जोर देता रहा है। हमने आतंकवाद से लड़ने के प्रयासों को न केवल मजबूत किया है खासतौर से आतंकवाद के वित्त पोषण को, बल्कि हमने आतंक पर ध्यान को कमजोर करने की कोशिशों को भी रोका है। भारत अभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का दो वर्ष के लिए अस्थाई सदस्य है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्य हैं अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, रूस और फ्रांस। स्थाई सदस्यों को वीटो पावर मिला हुआ है। मतलब पांच स्थाई सदस्यों में से चार सदस्य कोई प्रस्ताव पास कराना चाहते हैं लेकिन कोई एक सदस्य नहीं चाहता है तो वीटो कर सकता है और वो प्रस्ताव पास नहीं होगा। 10 अस्थाई सदस्यों के पास ये ताकत नहीं है।

भारत की सदस्यता 31 दिसंबर, 2022 को खत्म होगी और इस पूरे कार्यकाल में भारत के पास दो बार अध्यक्षता आएगी। भारत को सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता तब मिली है, जब अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी हो रही है और तालिबान मजबूत होता जा रहा है। इसके साथ ही पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए दो वर्ष पूरा होने जा रहा है। पाक सरकार के लिए दोनों मुद्दे काफी अहम हैं और ऐसे में भारत के पास यूएनएससी की अध्यक्षता का जाना, उसे ठीक नहीं लगा होगा। यूएनएससी के पांच स्थाई सदस्यों में से चीन हमेशा से उसके साथ रहा है, लेकिन अगस्त महीने में सुरक्षा परिषद की किसी भी बैठक में अध्यक्ष होने के नाते भारत की अहम भूमिका होगी। ऐसे में अगस्त महीना इस लिहाज से भी अहम है। फिर से कश्मीर का राग अलापते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा कि, क्योंकि भारत ने अध्यक्ष का यह पद संभाल लिया है, इसलिए हम उसे एक बार फिर से यह याद दिलाना चाहते हैं कि, वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के जम्मू-कश्मीर पर प्रस्तावों को लागू करे। पाकिस्तान का यह डर इसलिए भी है, क्योंकि भारत जब अध्यक्ष पद पर एक महीने के लिए रहेगा तो उसका कश्मीर को लेकर प्रोपगेंडा काम नहीं कर पाएगा। इसके अलावा, पाकिस्तान के डर की एक वजह यह भी है कि, वह अफगानिस्तान में तालिबान का समर्थन करता है, जबकि भारत हमेशा वहां राजनीतिक हल निकालने की बात करता आया है और शांति का पक्षधर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान को डर है कि, अफगानिस्तान में उसकी नापाक कोशिशों को भारत अपने कार्यकाल में पूरा नहीं होने देगा।

अगर अफगानिस्तान को लेकर कुछ भी अहम होता है तो यूएनएससी में भारत की अध्यक्षता मायने रखेगी। पाकिस्तान भारत को अफगानिस्तान में बाधा की तौर पर देखता आया है। भारत ने अपने एजेंडे में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को भी प्रमुखता देने की बात कही है। समुद्री सुरक्षा भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकता में शामिल है। भारत चाहता है कि, सुरक्षा परिषद इस मुद्दे गंभीरता दिखाएगी। वहीं शांति सेना के मुद्दे पर बात करते हुए ये भारत के दिल को हमेशा से ही छूता रहा है। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना का सदस्य रहा है। इसलिए भारत की चिंता शांति रक्षकों की सुरक्षा हिफ़ाजत भी है। भारत चाहता है कि, उनकी हिफाजत को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इसके लिए उन्हें उत्तम तकनीक हासिल होनी चाहिए और शांति रक्षकों के साथ होने वाले अपराधों पर न्याय मिलना चाहिए। एक देश के तौर भारत लंबे समय से आतंकवाद को झेलता रहा है। इस लिहाज से सुरक्षा परिषद में यह मुद्दा भी काफी अहम भूमिका निभाने वाला है।

# भिक्षावृत्ति उन्मूलन व पुनर्वास की जरूरत

अनुप भटनागर

हमारा संविधान देश के सभी नागरिकों को जीने की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। जीने के लिए रोटी, कपड़ा और मकान के साथ ही रोजगार जरूरी है, जिसे उपलब्ध कराने में सरकारें विफ्ल रही हैं। सामाजिक-आर्थिक विषमता और शिक्षा के अभाव का नतीजा यह हुआ है कि, आज शारीरिक अक्षमता से ग्रसित लोगों के अलावा बड़ी संख्या में स्वस्थ व्यक्ति, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, भिक्षावृत्ति के जरिए जीवन व्यतीत करने को मजबूर हैं, इस स्थिति को बदलना होगा।

नि:संदेह, कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से भीख नहीं मांगता लेकिन परिस्थितियां ऐसी हो चुकी हैं, जिसमें आज धार्मिक और पर्यटन स्थलों के बाहर तथा शहर के प्रमुख चौराहों या व्यस्त मार्गों पर बच्चे तक भीख मांगते नजर आते हैं। इनकी परेशानियों से बेखबर हमारा अभिजात्य और कुलीन वर्ग चाहता है कि, देश में भिक्षावृत्ति पर प्रतिबंध लगाया जाए और ऐसा करने वालों को दंडित किया जाए।

लेकिन, उच्चतम न्यायालय का स्पष्ट मत है कि, भीख मांगना एक सामाजिक-आर्थिक मसला है और न्यायपालिका इस पर प्रतिबंध नहीं लगा सकती। न्यायालय महसूस करता है कि, रोजगार और शिक्षा के अभाव में संविधान के अनुच्छेद 21 में प्रदत्त जीने के अधिकार के तहत कुछ लोग अपनी कतिपय बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए आज भीख मांगने को मजबूर है। वैसे देश के कई हिस्सों में भिक्षावृत्ति कराने वालों के संगठित गिरोहों के बारे में भी खबरें मिलती रहती हैं। पुलिस अक्सर ऐसे गिरोह का भंडाफोड़ भी करती है। ये गिरोह बच्चों को अगवा करके उनसे भीख मंगवाते हैं। ऐसे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने अगस्त, 2018 में भिक्षावृत्ति को बंबई भिक्षावृत्ति निवारण कानून के अंतर्गत अपराध के दायरे से बाहर करते हुए जबरन भिक्षावृत्ति कराने वाले व्यक्तियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने संबंधी कानूनी प्रावधान को बरकरार रखा था। न्यायालय ने कहा था कि, लोगों, विशेषकर बच्चों को, भीख मांगने के लिये बाध्य करने वाले तत्वों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। दिल्ली में बंबई भिक्षावृत्ति निवारण कानून लागू है। इस समय कई राज्यों में भिक्षावृत्ति निवारण कानून हैं। इनमें पंजाब भिक्षावृत्ति निवारण कानून, हरियाणा भिक्षावृत्ति निवारण कानून, बिहार भिक्षावृत्ति निवारण कानून, मध्य प्रदेश भिक्षावृत्ति निवारण कानून, गुजरात भिक्षावृत्ति निवारण कानून और बंबई भिक्षावृत्ति निवारण कानून शामिल हैं। इन कानूनों में भिक्षावृत्ति दंडनीय अपराध है। भिक्षावृत्ति को अपराध की श्रेणी से बाहर करने की उच्च न्यायालय की व्यवस्था के बाद ही उच्चतम न्यायालय में विभिन्न राज्यों में इस तरह के कानून को निरस्त करने के लिए जनहित याचिकाएं दायर की गई। इन याचिकाओं पर न्यायालय ने केन्द्र और संबंधित राज्य सरकारों से जवाब भी मांगा था। लेकिन इसी बीच, कोरोना काल में भीख मांगने वाले वर्ग के टीकाकरण और उनके पुनर्वास का मसला न्यायालय में आ गया। इस मामले में भी भीख मांगने पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया, जिसे न्यायालय ने अस्वीकार कर दिया और याचिकाकर्ता से कहा कि, वह इस आग्रह को याचिका से हटाएं।

न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एमआर शाह की पीठ का मत था कि, भीख मांगना एक सामाजिक-आर्थिक समस्या है और इसका समाधान भीख मांगने के लिए मजबूर व्यक्तियों का सरकार द्वारा पुनर्वास और उनके लिए रोजगार के अवसरों का सृजन करना है। इसमें कुछ गैर-सरकारी संगठन भी भूमिका निभा सकते हैं। हो यह रहा है कि, राजनीतिक दल चुनावों के दौरान इस तरह के वादे तो करते हैं, परंतु सत्ता में आने के बाद इन्हें भूल जाते हैं।

समाज के इस उपेक्षित वर्ग की भोजन और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने के मामले में समय-समय पर न्यायपालिका हस्तक्षेप करती रहती है। इसी का नतीजा है कि, दिल्ली सहित देश के कई हिस्सों में इन भिखारियों और बेसहारा लोगों के लिए रैन बसेरों का निर्माण किया गया। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में करीब 18 लाख लोग बेघर और बेसहारा थे। निश्चित ही दस वर्ष में इनकी संख्या में काफी वृद्धि हो गई होगी। इसी तरह, 2011 की जनगणना के अनुसार देश में भीख मांग कर जीवनयापन करने वालों की संख्या 4 लाख 13 हजार 670 थी, जिसमें अब काफी इजाफा हो गया होगा।

केन्द्र सरकार ने 2013 में एक लाख से अधिक आबादी वाले 790 शहरों के लिए राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत शहरी गरीब बेघरों के लिए स्थाई आश्रयों के निर्माण की योजना शुरू की थी। इसके बावजूद बेघरों और भिखारियों को सड़कों, रेल्वे प्लेटफार्म और फ्लाईओवर के नीचे रात गुजारते देखा जा सकता है। लोकसभा में 2018 में भिक्षावृत्ति उन्मूलन और पुनर्वास विधेयक भी पेश किया गया लेकिन यह मामला आगे नहीं बढ़ सका। केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों को भिक्षावृत्ति उन्मूलन के लिए समाज के इस वर्ग के पुनर्वास के कार्यक्रम पर सख्ती से अमल करना चाहिए। साथ ही, बच्चों से भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को मानव तस्करी से संबंधित कानूनों पर सख्ती से अमल सुनिश्चित करना चाहिए।

# सफलता की रौशनी में हिस्सेदारी का हुनर

आलोक पुराणिक

मीराबाई चानू ओलंपिक से पदक लेकर लौटीं, देश का नाम रौशन किया, अपना नाम रौशन किया, गांव का नाम रौशन किया और एक पिज्जा का नाम रौशन करने की डील भी उन्होंने कर लिया। मीराबाई चानू इंटरनेट पर एक पिज्जा के साथ दिखाई देंगी। पिज्जा की उनकी सफलता में भूमिका क्या रही है, यह सवाल व्यर्थ है क्योंकि यह सवाल पूछा गया तो फिर और सवाल खड़े हो जाएंगे।

पिज्जा के बाद वह और भी तमाम ब्रांडों के साथ दिख सकती हैं। देश की बेटियां नाम रौशन कर रही हैं, पर जब उनका नाम रौशन हो जाता है, तो फिर उस रौशनी में हिस्सा मांगने बहुत आइटम बहुत ब्रांड आ जाते हैं। कोई पिज्जा आ जाता है, कोई कार आ जाती है, कोई बाइक आ जाती है, कोई बल्ब आ जाता है, कोई जूता आ जाता है, कोई आटा हो जाता है, कोई ब्रेड आ जाती है, कोई मोबाइल आ जाता है। खिलाड़ियों की रौशनी के सैकड़ों हिस्सेदार उठ खड़े होते हैं। ब्रांड तो अपना भुगतान करते हैं। नेता भी उठ खड़े होते हैं, जिनका बस चले तो वह ओलंपिक खेलों के आयोजन का क्रेडिट भी खुद ही ले लें। बल्कि अगर ओलंपिक में नेताओं का बस चलता तो नेताओं के बेटे-बेटियां ही जाकर वहां खेल दिखा रहे होते। पीढ़ी दर पीढ़ी हॉकी के खिलाड़ी एक ही परिवार से आते। पीढ़ी दर पीढ़ी बैडमिंटन के खिलाड़ी एक ही परिवार से आते। सौभाग्य से ओलंपिक गेम्स नेतागिरी सरीखे काम न हैं, यहां काम करके दिखाना पड़ता है, बाप का नाम काम न आता है। यह नेताओं का दुर्भाग्य है और खेलों का सौभाग्य है।

खैर, मीराबाई चानू के खेल का क्रेडिट एक पिज्जा को मिलेगा, यूं वह अब तक के खेल का क्रेडिट जूतों के एक ब्रांड को देती रही हैं। मेहनत और लगन की बात खिलाड़ी आम तौर पर कम करते हैं, जिनका सबसे बड़ा योगदान किसी भी खिलाड़ी की कामयाबी में होता है। मेहनत अगर किसी वाशिंग पाउडर का नाम होता और लगन किसी ब्यूटी क्रीम का नाम होता, तो जरूर ही खिलाड़ी मेहनत और लगन का जिक्र करते अपनी कामयाबी में। पर अभी मेहनत नाम का वाशिंग पाउडर न है और लगन नाम की कोई ब्यूटी क्रीम न है, सो मेहनत और लगन की बात कम ही करते हैं खिलाड़ी।

इधर खिलाड़ी कामयाब होता है, उधर उसके इर्दगिर्द ब्रांड मंडराने लगते हैं। ब्रांड भी एक तरह से परजीवी टाइप ही होते हैं, अपने बूते खड़े होने में आफत आती है। अगर कोई वाशिंग पाउडर है, तो उसे अपनी ही क्वालिटी से चमकना चाहिए न कि, अमिताभ बच्चन की ऊंचाई का सहारा लेकर बिकना चाहिए। इसलिए मोटे तौर पर यही माना जा सकता है कि, अगर मीराबाई चानू ही खुद क्रेडिट दे रही हैं, तो किसी को क्या आपत्ति हो सकती है। मीराबाई की कामयाबी का राज कोई पिज्जा है, यह बात नए खिलाड़ियों को पूरे तौर पर न समझनी चाहिए। उन्हें मीराबाई की मेहनत देखनी चाहिए, लगन देखनी चाहिए लगातार काम करते रहने का जज्बा देखना चाहिए। मीराबाई का सिर्फ पिज्जा न देखना चाहिए।

प्यार का हुआ दर्दनाक अंत...

# पति के शक ने ली पत्नी की जान, घर में मिला महिला का शव, पति ही निकला आरोपी

## पत्नी के मोबाइल चलाने से नाराज़ था पति, एक दिन पहले हुआ था विवाद

**माही की गूंज, रतलाम। राघवेंद्र सिंह डोडिया**

परिवार के खिलाफ जाकर किए प्रेम विवाह का अंत इतना दर्दनाक होगा, ये किसी ने नही सोचा था। पहले प्यार, फिर शादी और फिर दो बच्चे के साथ सुखी और खुशहाल परिवार में शक की ऐसी जड़े मजबूत हुई कि, इस प्यार का अंत एक बड़े अपराध के साथ हुआ, जिसमें पत्नी उर्फप्रेमिका की मौत हुई, पति उर्फप्रेमी जेल गया और प्यार की निशानी दो छोटे बच्चे अनाथ हो गए।

मामला जिले के नामली में जावरा रोड के मकान में नामली पुलिस ने 5 जुलाई की सुबह एक महिला के शव को बरामद किया था। महिला की मौत की गुत्थी को करीब एक माह बाद पुलिस ने सुलझा लिया है। महिला का पति ही अपनी पत्नी का हत्यारा निकला। पुलिस जांच हत्या का कारण पति को अपनी पत्नी के मोबाइल चलाने पर नाराजी सामने आया है। पत्नी के चरित्र पर शंका के चलते उसने गला दबाकर हत्या की थी। इसके बाद वो लगातार पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी के नेतृत्व में पुलिस ने इस मामले को सुलझा ही लिया।

### घर से ही बरामद हुआ था महिला का शव

पुलिस के अनुसार किराए के मकान से बरामद शव को प्रथम दृष्टा संदिग्ध मानते हुए पंचनामा बनाकर शव को पीएम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा था। इसके बाद मृतिका आरती राजपूत (27) के मायके पक्ष को भी पुलिस ने इस मामले में बयान के लिए बुलाया था। मृतिका ने प्रेम विवाह कर अपने पति के साथ रह रही थी, इस कारण मायके पक्ष ने पुलिस ये कहते हुए बयान देने से इंकार कर दिया था कि, इसने परिवार के विपरीत कदम उठाकर प्रेम विवाह करने पर यह जब से हमारे बिना बोले घर से कदम उठा कर चली गई थी, उस दिन से हमारे लिए मर गई है। ऐसी स्थिति में मृतिका के शव को रतलाम की भक्तन की बावड़ी पर ही पति उसके परिजनों द्वारा अंतिम संस्कार कर दिया गया था। उसके बाद पुलिस इस मामले में संघन बारीकी से जांच पड़ताल में जुट गई थी।

### पत्नी के मोबाइल चलाने थी आपत्ति और शक पति ने कर दी हत्या

मृतिका के पति रंजीत सिंह राजपूत जब मृतिका के मृत्यु के बारे में जानकारी लेने के लिए अलग-अलग बिंदुओं पर पुलिस बयान दर्ज किए गए, तो बयानों में ही पति उलझता हुआ दिखाई दिया। उसके बाद ग्रामीण एसडीओपी संदीप कुमार ने इस मामले में अपने विश्वसनीय सूत्रों को लगाकर जांच शुरू कर दी गई थी। पीएम रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट हुआ कि, मृतिका की गला व मुंह दबाकर हत्या की गई है। पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस इस मामले में अपनी जांच पड़ताल में जुट गई और आखिरकार मृतिका के पति रंजीतसिंह राजपूत से जब सख्ती से पूछताछ की गई तो, पति ने जुर्म कबूल करते हुए पुलिस को बताया कि, उसकी पत्नी लगातार मोबाइल पर व्यस्त रहती थी। जिसके चलते उसे उसकी पत्नी के चरित्र शंका हो गई थी।

### एक दिन पहले हुआ था विवाद

घटना के एक दिन पूर्व भी उसकी पत्नी को मोबाइल पर बातचीत करते हुए पकडने पर कहा सुनी हुई थी। इस बात को लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था और आवेश में आकर पति ने ही पत्नी की गला दबाकर हत्या की व इसके बाद खेत पर जाकर सो गया था।

ग्रामीण एसडीओपी संदीप कुमार ने बताया कि, इस मामले में मृतिका आरती की हत्या के मामले में आरोपी पति रंजीतसिंह राजपूत को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

### हत्या में और भी लोग हो सकते हैं शामिल, पुलिस जांच में जुटी

पुलिस इस मामले में अब यह तलाश में जुट गई है कि, हत्या वाले दिन रंजीतसिंह का सहयोग करने वाला और कौन था और उस रात में रणजीत सिह की रातभर में किस-किस से मोबाइल पर बातचीत कर रहा था यह जानकारी लगाई जा रही है। हत्या के बाद रणजीत सिंह राजपूत की कॉल डिटेल के बाद आरोपी और भी बढ़ सकते हैं। नामली में हुए इस अंधे कत्ल को सुलझाने में रतलाम ग्रामीण एसडीओपी संदीप कुमार, थाना प्रभारी आरएस भाबोर, आरक्षक योगेंद्र जादौन, सैफुद्दीन, राहुल जाट व साइबर सेल स्थानीय पुलिस बल को पुलिस के गोपनीय मुखबिर तंत्र के सहयोग से 27 दिन के अंदर ही इस हत्याकांड को सुलझाने में सफलता हासिल हुई।

मृतका आरती

# कार्यालय पर संदिग्ध अवस्था में मृत पाए गए नगर पालिका के दरोगा

**माही की गूंज, शुजालपुर।**

शुजालपुर नगर पालिका में सफाई दरोगा के पद पर पदस्थ सोहनलाल मोरटे, कांजी हाउस स्थित अपने कार्यालय में गले में फंदा डाले हुए अचेत अवस्था में पाए गए। जब उनका बड़ा बेटा वहां पहुंचा तो उन्होंने उस अवस्था में उन्हें देखकर तुरंत घर वालों को सूचना दी। घरवाले वहां आए और उन्हें लेकर साईं कृपा हॉस्पिटल पहुंचे तो, डॉक्टरों द्वारा उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यह पूरा घटनाक्रम अचानक एवं बहुत ही कम समय में घटित जिसे यह मामला संदेहास्पद बन गया है। इस संबंध में जब हमने उनके परिजनों से बात की तो परिजनों ने कहा कि, उनकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी व व्यवहार कुशल थे एवं नपा शुजालपुर के शासकीय कर्मचारी थे। उनके घर के सभी सदस्य शासकिय नौकरी में थे इसीलिए ऐसी कोई वजह नहीं थी कि वे आत्महत्या करें।

# महिला सफाईकर्मी से अपना थूक साफ करवाते हैं मण्डी कर्मचारी

**माही की गूंज, शुजालपुर।**

शुजालपुर कृषि उपज मंडी में कर्मचारियों द्वारा गुटका, पान, तंबाकू खाकर अपनी सीट से ही पिचकारी लगाकर थूका जाता है ओर उस थूक को महिला सफाईकर्मी से धुलवाया जा रहा हैं। एक ओर प्रधानमंत्री सफाई कर्मीयो के पैर धौकर उनका सम्मान करते हैं वहीं दूसरी ओर शुजालपुर मण्डी कर्मचारीयो द्वारा उनका अपमान किया जा रहा है।

सफाईकर्मी महिला ने बताया कि, उन्हें मण्डी प्रांगण में झाडू लगाने का कार्य दिया गया है, किन्तु नाकेदार अन्तरसिंह द्वारा थूक साफकरवाया जाता है। अंतरसिंह द्वारा उनके नाके के सामने लगे पोल पर पान, गुटका, तंबाकू का थूक साफकरवाया गया।

सोचने वाली बात है कि, जहां मण्डी प्रांगण में जगह-जगह मंत्री इंदर सिंह परमार के बड़े-बड़े पोस्टर लगे हैं ओर उन पर बड़े-बड़े शब्दो मे लिखा है कि, बीना माक्स सेवा नहीं। फिर इन कर्मचारियों का इस बात पर ध्यान क्यों नहीं कि, किसी महिला सफाईकर्मी से अपना थूक साफकरवाने का हक किसने दिया। क्या इन कर्मचारियों को किसी का डर नहीं? वहीं नाकेदार अंतरसिंह की दुसरी लापरवाही भी सामने आ रही हैं जिसमें वह नाके से बीना गेट पास के गाड़ियां निकाल देता है।

# युवती को नौकरी लगाने का झांसा देकर करते रहे शारीरिक शोषण

**माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।** भानपुरा विकास खण्ड क्षेत्र की 16 वर्षीय युवती को 10 वीं पास करवाने व नौकरी का झांसा देकर झालावाड़ चिकित्सालय के दो कर्मचारियों ने एक सहयोगी महिला कर्मचारी की मदद से छह-सात महीने तक शारीरिक शोषण किया। नाबालिक के दो-तीन दिन तक घर से गायब रहने पर परिजनों ने पुलिस चौकी भैंसोदा में शिकायत दर्ज करवाई। इस पर डीएसपी मंदसौर किरण चौहान ने जांच टीम गठित कर एवं मोबाइल लोकेशन के आधार पर पता लगा कर नाबालिग सहित आरोपी को झालावाड़ राजस्थान से धर दबोचा। थाना अधिकारी कमलेश सिंह ने बताया कि एक वर्ष पहले अपनी काकी के आंख का ऑपरेशन कराने गई क्षेत्र की 16 वर्षीय नाबालिक लड़की का झालावाड़ चिकित्सालय में सिक्योरिटी गार्ड लाखनसिंह व सहयोगी स्वास्थकर्मी सीमा से पहचान होने पर उन्होंने मोबाइल नंबर लेकर 16 वर्षीय नाबालिक युवती से संपर्क किया एवं दसवीं पास कराकर नौकरी लगाने का झांसा देकर उन्हें बार-बार झालावाड़ बुलाकर छह-सात माह से अनेक बार दुष्कर्म किया। साथ ही सहयोगी कर्मचारी रामबाबू से भी दुष्कर्म करवाया। परीक्षा में पास करवाने का झांसा देकर तांत्रिक प्रक्रिया आदि में सलंग करने के बहाने अन्य ग्राहकों को भी 2 हजार 500 से 5 हजार रूपए लेकर दुष्कर्म करवाया जाने लगा। 25 जुलाई को घर से दो-तीन दिन गायब रहने के चलते परिजनों ने पुलिस चौकी में अपहरण का मामला दर्ज करवाया। आरोपियों को गिरफ्त में लेने के बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर 2 अगस्त को अपराध क्रमांक 370/2021 दर्ज कर भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 366, 366 ए, 370, 370 ए, 376, 376 (2) (एन), पास्को एक्ट की धारा 5/1/ व 6 एससी-एसटी एक्ट सहित जान से मारने की धमकी देने के चलते भारतीय दंड संहिता की धारा 506 में प्रकरण दर्ज किया।

# प्राकृतिक सौंदर्य से पूरी तरह परिपूर्ण स्थान बड़ा महादेव

**माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।**

भानपुरा से मात्र दो किलोमीटर दूर उत्तर में सीमेंट कंक्रीट रोड से जुड़ा पावन स्थल विश्व के प्राचीनतम कला साक्षो को अपने अंक में समेटे विंध्यन श्रेणी की हरित उपत्यका में झर-झर झरते, झरनों के संगीत व लगभग 150 फिट की ऊंचाई से गिरते मौसमी वर्षाकालीन प्रपात के उद्दाम शोर की जीवंतता से आकृष्ट होकर हजारों पर्यटक व श्रद्धालुजन इन दिनों भानपुरा की ओर उन्मुख है, खिंचे चले आरहे है इस नैसर्गिक आनन्द को पाने के लिए।

सावन का महीना गंगाधर शिव की उपासना ओर उनसे वर प्राप्ति का महीना होता है। जब सन्तप्त मानव मन शीतलता पाने की चाह में प्रकृति के इस वरदानी सौंदर्य को अपने अंक में समेट लेना चाहता है तो वह आ जाता है बड़े महादेव की शरण में। यहा प्रतिष्ठित दिव्य शिव लिंग हजारों वर्ष प्राचीन है। इस पर बारहों माह प्रकृति देवी स्वयं अभिषेक करती है। झुलसाने वाली गर्मी में भी जलधार शिव जी का अभिषेक करती है। सामने ही जल कुंड है जिसकी गहराई इतनी भर है कि, यहा तैरने व नहाने से बच्चो का मन कभी नही भरता, बच्चो की किलकारियां प्रपात के शोर में विलीन होकर नैसर्गिक सौंदर्य को बढ़ा देती है। पास के वन में उमर यानी जंगल कदम्ब, बिल्व, बकुल के फूलों की सुगंध शिवजी के दरबार को महका देती है। पास में ही कई वर्ष पुरानी ज्वालामुखी हलचल से बनी पतासी घाटी है जो मूल्यवान पथरो की सूचना देती थी। पहाड़ी पर प्राचीन चंचला माता मंदिर के अवशेष है। ऊपर के रास्ते पर मराठा कालीन शिकारगाह बना है जो प्राचीन समय मे सम्पन्न वन्य जीवन का प्रमाण है। शिव सेवक मंडल के भक्तजन यहा के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। जलधारा की निरंतरता बनी रहे इसलिए सेवक मंडल कुंड की व परिसर की मरम्मत भी समय-समय पर करते रहते हैं।

सम्पूर्ण ऐतिहासिक परिदृश्य के बारे में जब स्थानीय पुराविद डॉ. प्रधुम्न भट्ट की राय जानी गई तो वे बताते है कि, प्राचीन काल मे इंदरगढ़ नाम से बहुत बड़ी आबादी थी। जिसकी धार्मिक व आध्यत्मिक गतिविधि के केंद्र में यह शिवधाम था। यहा मोर्य युगीन एनबीपी पॉटरी मिली थी जो बताती है कि, मोर्य युग से पूर्व यँहा आबादी थी। विकसित नगर इंदरगढ़ था। यह झरना नगर के बीच से बहकर जलापूर्ति करता था। बड़ा महादेव सचमुच आध्यात्म व संस्कृति का केंद्र था।

# झाबुआ जिले के मेघनगर और पेटलावाद में जल प्रदाय योजना का कार्य अंतिम चरण में

**माही की गूंज, झाबुआ।** मध्यप्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा झाबुआ जिले के मेघनगर और पेटलावाद में जल प्रदाय योजना का काम एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से क्रियान्वित किया रहा है। दस वर्षों के संचालन और संधारण सहित मेघनगर जल प्रदाय योजना की लागत लगभग 34 करोड़ और पेटलावाद जल प्रदाय योजना की लागत लगभग 20 करोड़ रूपये है। पेटलावाद और मेघनगर जल प्रदाय योजना के लिए 2.11 एमएलडी क्षमता के दो अलग अलग इंटैकवेल स्थापित किए गए है।। कस्बों के हर घर पानी पहुँचाने के लिए ओवर हैड टैंक भी बना दिए गए हैं।

पहले इन कस्बों में नगर परिषद् द्वारा जल वितरण के लिए किए गए इंतजाम पर्याप्त नहीं थे, लेकिन जल प्रदाय योजना के पूरा होने से रहवासियों को चौबीस घंटे सातों दिन पानी मिल सकेगा। 25 हजार से अधिक की आबादी को लाभ पहुँचाने वाली दोनां नगरों की जल प्रदाय योजना का कार्य अगले माह तक पूरा करने के प्रयास हैं। इसी क्रम में नल कनेक्शन देने का कार्य भी प्रारंभ हो गया है। यहां महिला प्रेरकों का चिन्हांकन भी कर लिया गया है जो घर घर जाकर लोगों को नल से जल के लिए प्रेरित कर रही हैं।

# आईपीएस स्कूल की पहल सिंह यादव ने 83.06 प्रतिषत हासिल कर स्कूल में टॉप पॉच में अपनी जगह बनाई

**माही की गूंज, झाबुआ।** नगर के प्रतिष्ठित आरटीओ सलाहकार अमित सिंह यादव (जादौन) की बेटी पहल सिंह यादव ने आईपीएस स्कूल में कक्षा 10 वी में स्कूल के टॉप पॉच में अपना नाम दर्ज करवाया है। पहल सिह यादव ने बताया कि कोरोना संक्रमण के समय मम्मी को कोरोना पॉजीटिव हो गया था। जिस पर घर का काम के साथ साथ प्रीबोड एन्जाम की तैयारिया भी साथ मे की। कक्षा 10वी में 83.6 प्रतिशत के साथ पहल ने अपना स्कूल में पॉचवा स्थान बनाया है। वही पहल के पिताजी अमितसिंह यादव वर्तमान में रोटरी क्लब संस्था के जाईन्ट सेकेन्ट्री के पद संभाल रहे है वही माता शितल सिंह यादव इनरव्हील क्लब संस्था में जुडी हुई है। पहल की इस उपलब्धी पर पुरे स्कूल के शिक्षको एवं परिवारजनो सहित ईष्ट मित्रो ने बधाईयां प्रेषित की है।

# उचित मूल्य की दुकानों में निःशुल्क 5 किलो चावल या गेहूं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत दिया जाएगा

### - समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

**माही की गूंज, झाबुआ।**

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में समयावधि पत्रों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर जे.एस.बघेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एल.एन.गर्ग, डिप्टी कलेक्टर डॉ. अभयसिंह खराडी, डिप्टी कलेक्टर अंकिता प्रजापति, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.पी.एस.ठाकुर एवं समस्त जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने निर्देश दिए की 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम कोरोना गाइड लाइन का पालन करते हुए जिला पुलिस लाइन में समारोह आयोजित किया जाएगा। समारोह स्थल पर प्रातः 9 बजे अतिथि द्वारा ध्वजारोहण किया जाएगा। समारोह स्थल पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रहे। शासकीय विभागों में रोशनी की जाए। सभी विभाग अपने विभाग में अनिवार्य रूप से प्रातः 8 बजे तक ध्वजारोहण कार्यक्रम सम्पादित कर लें। जिसमें कोविड-19 गाइड लाइन का पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। समारोह स्थल पर परेड का आयोजन होगा, संदेश वाचन होगा, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत, नगर पालिका, नगर परिषद में भी ध्वजारोहण किया जाए। स्वतंत्रता सग्रांम सेनानी, लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान पूर्वक उनके घर जाकर शाल-श्रीफल से सम्मानित किया जाए। समारोह स्थल पर फोटोग्राफी की जाए। निमंत्रण कार्य प्रिन्ट करवाए।

7 अगस्त को अन्न उत्सव का कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसके लिये उचित मूल्य की दुकानों में निःशुल्क 5 किलो चावल या गेंहूँ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत दिया जाएगा। इसके लिये जिला स्तर से जिला अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है। दुकानों पर साज-सज्जा की जाए। सांसद को संसदीय क्षेत्र में एवं विधानसभा क्षेत्र में संबंधित विधायक को एवं जनप्रतिनिधियों को सम्मान पूर्वक निमंत्रित कर समक्ष में अनाज का वितरण करे। जिला स्तर पर यह आयोजन शासकीय बालक उच्चतर उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय झाबुआ में आयोजित होगा।

सभी विभाग अंकुर एप को डाउनलोड कर विभाग के अधिकारी, कर्मचारी का शतप्रतिशत वृक्षारोपण कर इस एप में दर्ज करे। आगामी टी.एल. की बैठक में इसकी समीक्षा सर्वप्रथम होगी। सभी कार्यालय प्रमुख अपने विभाग का फेसबुक अकाउण्ट एवं ट्यूटर अकाउण्ट अनिवार्य रूप से खोले जिसमें विभाग की गतिविधियों को पोस्ट करे एवं शासकीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इस अकाउण्ट से करे। यदि आगामी सप्ताह में कार्यवाही नहीं की गई तो अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

टीएल प्रकरणों का निराकरण प्रतिवेदन प्रति शुक्रवार तक पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज किया जावे एवं प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया जावे।बगैर प्रतिवेदन के टीएल का विलोपन नहीं किया जाएगा। इस हेतु नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर अंकिता प्रजापति को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। सीएम हेल्पलाईन के यदि 300 दिवस के प्रकरण लंबित, 100 दिवस से अधिक लंबित प्रकरणों की जानकारी भी अनिवार्य रूप से लावे एवं प्रतिवेदन को पोर्टल पर दर्ज करे। सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों में पूर्ण गम्भीरता का पालन करते हुए एल-1 पर ही सात दिवस के अंदर निराकरण किये जाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर द्वारा बैठक में जनसुनवाई, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को प्रस्तुत आवेदन, इसके अतिरिक्त विभागीय गतिविधियों के बारे में चर्चा की गई। बैठक में भू-माफिया, मिलावट माफिया, अवैध शराब, जिला बदल की कार्यवाही, राशन माफिया, खनन माफिया, गुण्डा तत्व पर कार्यवाही करें एवं की गई कार्यवाही को पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए।

# लूट की योजना बनाते बदमाश हथियार के साथ पुलिस के चढ़े हत्थे, 2 फरार

**माही की गूंज, रतलाम।**

औद्योगिक थाना क्षेत्र पुलिस ने षडयंत्र पुर्वक डकैती की योजना बनाते हुए 5 बदमाशों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है वही दो बदमाश पुलिस को देख कर मौके से भाग गए भाग गए, बदमाशों की पुलिस तलाश कर रही है।

औद्योगिक थाना प्रभारी ओपी सिंह ने बताया कि, एसपी गौरव तिवारी के निर्देश पर थाना पुलिस द्वारा लगातार गश्त एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया जा रहा है। जिसमें सोमवार रात औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को सूचना मिली कि हाइवे पर घटला ब्रिज के नीचे कुछ हथियारबंद लोग बैठे हैं। थाना प्रभारी ओमप्रकाश सिंह वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देकर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से 5 लोगों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देशीकट्टा सहित अन्य हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों से 315 बोर का एक देसी कट्टा, दो जिंदा राउंड, एक लोहे की तलवार, खटकेदार चाकू, एक लट्ठ, प्लास्टिक का पाइप, एक बाइक और एक लोडिंग वाहन भी बरामद किया है।

औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि, पूछताछ में आरोपियों द्वारा हाईवे पर वाहनों को लूटने की योजना बनाने की जानकारी मिली है। पुलिस आरोपियों से और पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार मौके से कमलकिशोर निवासी नयागांव (19), चिराग त्रिलोक नगर (19), प्रदीप नयागांव (20), प्रवेश नयागांव (20), पंकज नयागांव (20) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बिरियाखेड़ी निवासी कल्लू और मेघनगर निवासी अन्ना मौके से फरार हो गए, पुलिस उनकी तलाश में जुट हुई है।

# सटोरियो का संगठित गिरोह सक्रिय, पुलिस निष्क्रीय

## सटोरियों पर पुलिस मेहरबान, सूचना पर भी नहीं होती कार्रवाई

**माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट**

शुजालपुर के कई इलाकों में सट्टेबाजी का दांव लग रहा है रोजाना मंडी थाना व सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत सटोरियों दाव खिला रहे हैं, सटोरियों पर पुलिस अब तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं कर पाई है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस को गुंडे-बदमाशों के साथ सटोरियों और जुआरियों के साथ इन्हें संरक्षण देने वाले छूट भैईया नेताओं से आमजन को रोज जूझना पड़ता है। शुजालपुर में सटोरिएं संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे है, सट्टा खिलाने वाले की एक अजीबो गरीब भाषा है यानी कोड वर्ड है, जो की फोन पर दाव लग जाता है और उससे ही रद्द भी हो जाता है। हार जीत की रकम का बकायदा अगले दिन किसी चाय की दुकान, मोबाइल शॉप या पान की दुकान से भुगतान कर दिया जाता है। सट्टा लिखवाने वालों को भी एजेंट को एडवांस देना पड़ता है जिसकी एक लिमिट रकम तय होती है।

### सट्टे के बड़े खाईवाल बने इलाकों के दादा

शुजालपुर के मंडी बस स्टैंड के ढाबो पर फ्रीगंज, ब्रिज नगर व पान की दुकानों में सट्टे लिखवाने वालों की भीड़ देखी जा सकती है। खाईवालों के चक्रव्यूह में लोग इस कदर फंस चुके हैं कि, उससे उबर नहीं पा रहे हैं। शहर में एक-दो नहीं बल्कि तीन खाईवाल लंबे समय से सट्टा संचालित कर रहे हैं। छूट भैईया नेता और खाईवालों की मिलीभगत से यह अवैध कारोबार शहर सहित आस-पास के होटल इलाकों में पूरी तरह से चर्म पर है।

### कारोबारी भी लिखा रहे हैं सट्टा

शहर में एक बार फिर से सट्टा बाजार गर्म हो गया है। इस कारोबार में कई सफेदपोश लोग भी शामिल है जो कहने के लिए शहर के बड़े कारोबारी है और उनका असली काम सट्टे का ही है। इसके अलावा शुजालपुर के सटोरियों के लिए सट्टा लगाने की व्यवस्था शुरू कर दी।

जब माही की गूंज ने जब इस संबंध में कुछ सटोरियो से संपर्क साधा तो नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर उन्होंने बताया कि, शहर में इन दिनों 3 बड़े खाईवाल बडे स्तर पर सट्टेबाजी से जुड़े हुए हैं। इनमें से एक शहर का नामी कारोबारी भी है इस कारोबारी ने सट्टे का कारोबार शुजालपुर और आस-पास के कुछ गांव में बनाया हुआ है, यहीं से पूरे धंधा अपडेट हो रहा है।

### खुले मैदान में लिखा जा रहा सट्टा

क्षेत्र के अलावा अन्य जगहों पर सट्टा लिखने वालो ने अवैध कारोबार शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि, कुछ समय पूर्व शहर में सट्टे का कारोबार जोरों पर संचालित किया जाता था और इस कारोबार से लगे लोगों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि, अब दिनदहाड़े खुले मैदानों में सट्टा पर्ची काटी जा रही है, वहीं खुले मैदानों के सामने भी सट्टा लिखवाया जा रहा है। सट्टा एक नशे की तरह होता है पहले लोग अपनी किस्मत आजमाते हैं फिर बाद में अपनी गाढ़ी कमाई को दोगुना करने के लालच में फंसकर धीरे-धीरे सब कुछ गंवा बैठते हैं। पुलिस इसका अवेध कारोबार में लिप्त लोगों पर कार्रवाई नहीं करती है। कार्रवाई न होने की वजह से इस गोरखधंधे पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है और अवैध कारोबार में लिप्त गिरोह के लोगों के हौसले बुंलदियों पर हैं।

### यहां चल रहा है सट्टेबाजी का खेल

गूंज के विश्वसनिय सुत्रों की माने तो शुजालपुर मंडी बस स्टैंड ढाबो पर, ब्रज नगर, प्रेम नगर, शंकर नगर, फ्रीगंज, टेंपो चौराया, शास्त्री वाली गली, सिटी हनुमान व्यामशाला, काली माता चौराहा, भीमपुरा, गल्ला मंडी के पास, राम मंदिर के पास सिटी, फ्लादि पूरा बंजी पूरा, टीला, भीम पूरा ओर भी आस-पास के कई इलाकों में सटोरिये अपना अड्डा जमाये बैठे है।

## न्यूज ब्रीफ

### शिवगढ़ के मनकामनेश्वर महादेव को किया जल अर्पण

**माही की गूंज, परवलिया।** सावन मास की प्रथम कावड़ यात्रा सदाशिव भक्त मंडल द्वारा निकाली गई। कावडियो ने रणछोडराय मंदिर स्थित शिव मंदिर से जल भरकर ग्राम शिवगढ के मनकामनेश्वर महादेव मंदिर पर भगवान भोलेनाथ को जल अर्पण किया। यात्रा मे कावडिए डीजे की धुन पर थिरकते हुए चल रह थे। विगत वर्ष भी कोरोना की वजह से कावड़ यात्राओ का आयोजन नही हो पाया था, इस वर्ष कोरोना की थोडी राहत होने से कावड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा को लेकर युवाओ मे काफी उत्साह देखा गया।

### आंतरिक शिकायत निवारण समिति गठित

**माही की गूंज, बड़वानी।** कलेक्टर की अध्यक्षता में आंतरिक शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया है। यह समिति बड़वानी जिले के शासकीय सेवको के सेवा संबंधी सभी मामलें, न्यायालय में जाने के पूर्व उनके निराकरण का प्रयास करेगी ।

कलेक्टर शिवाराजसिंह वर्मा अध्यक्ष, जबकि सदस्य के रूप में जिला पंचायत सीओ, जिला पेंशन अधिकारी, संबंधित विभाग के जिला अधिकारी सम्मिलित किए गए है। सदस्य सचिव के रूप में कलेक्टरेट के स्थापना शाखा प्रभारी अधिकारी को सम्मिलित किया गया है।

### जुलवानिया में महिला शौचालय निर्माण हेतु आवेदन दिया

**माही की गूंज, बड़वानी।** नेहरू युवा केन्द्र के स्वयं सेवको ने एसडीएम और जनपद सीईओ को बस स्टेण्ड जुलवानिया में महिला शौचालय निर्माण हेतु आवेदन दिया। नेहरू युवा केन्द्र के युवा स्वयंसेवक द्वारा अवगत करवाया कि, बस स्टैंड जुलवानिया पर महिलाओं का शौचालय नही होने से उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अतः अगर बस स्टेशन जुलवानिया पर महिलाओं के लिए अलग से शौचालय का निर्माण कर दिया जाए जिससे महिलाओं को सहूलियत होगी। इस दौरान नेहरू युवा केन्द्र के महानिदेशक प्रतिनिधि प्रीतम बड़ोले, विजय गोरे, ब्लॉक समन्वयक चेतन चैहान, दिनेश मोरे उपस्थित थे।

### स्वच्छता पखवाड़े में श्रमदान

**माही की गूंज, बड़वानी।** विकासखंड पानसेमल के प्राथमिक विद्यालय भड़गोन में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत खेल मैदान की साफ-सफाई की गई। इस दौरान प्रतिवर्ष 100 घंटे स्वच्छता के लिए श्रमदान करने के लिए युवा मंडल के सदस्यों तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक किशोर चौहान द्वारा शपथ दिलाई गई, साथ ही पौधरोपण भी किया गया।

### दाड़की बंद होने के पश्चात् भी जलता रहा चूल्हा

**माही की गूंज, बड़वानी।** विश्व व्यापी कोरोना महामारी के दौरान पूरा विश्व हलकान था। हर तरफमंदी छाई हुई थी, ऐसे में हम मजदूरों को कौन दिहाड़ी मजदूरी देता। फिर भी हमारा चौका-चूल्हा जलता रहा, तो इसका कारण यह था कि, हमें प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की अन्न योजना के तहत प्रति माह निःशुल्क राशन मिलता रहा। जिससे दुर्दिन के समय हमारा परिवार का गुजर-बसर चलता रहा और अब हमें पुनः अपने पैरो पर खड़ा होने में सहायता मिल रही है। उक्त कहना है, बड़वानी में दिहाड़ी मजदूरी कर, अपने चार सदस्यीय परिवार का गुजर-बसर करने वाले संजय वाजपेयी का। उन्होंने कि, वैसे तो उनका परिवार सीमित है किन्तु फिर भी लॉकडाउन के दौरान जो परिस्थिति निर्मित हुई थी, उसमें वे भी अत्यन्त घबरा गए थे। गरीबों के लिए उचित मूल्य दुकान से प्रति सदस्य, प्रति माह 5 किलो राशन निःशुल्क देने की योजना बनाई, इससे उन जैसे दिहाड़ी करने वालों का चौका-चूल्हा जलता रहा और परिवार के सदस्यों को खाना नसीब होता रहा।

# 35 वर्ष देश को समर्पित कर लौटे बीएसएफ के जवान का जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत

## देश भक्ति के गानों के साथ झकनावद में निकाला फौजी का भव्य जुलूस

**माही की गूंज, पेटलावद/झकनावदा/बामनिया**

''सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है देखना है जोर कितना बाजुए कातिल में है''। देश की सेवा करने वाले जवानों के प्रति आमजन में कितना सम्मान है उसकी एक झलक तब देखने को मिली जब झकनावदा क्षेत्र के वीर सपूत करणसिंह मखोड़ 35 वर्ष लंबे समय तक देश की सेवा कर अपना कार्यकाल सकुशल पूर्ण कर लौट। मां भारती की रक्षा करते हुए देश सेवा करके अपने परिवार के पास अपनी जन्मभूमि पर वापस लौटने का जो सुख और जो खुशी मिलती है, वह किसी चीज में नहीं। ऐसा ही एक नजारा मंगलवार को रिटायर्ड होकर लोटे जवान के सम्मान समारोह में देखने मिला, जहा जगह-जगह उनका स्वागत कर ''भारत माता की जय'' के नारे लगाए गए।

### बामनिया में मुख्य चोराहे पर किया स्वागत

रिटायर्ड सेना के जवान करणसिंह मखोड़ अपने परिवार से मिलने के लिए बामनिया पहुँचे थे, जहां उनके भाई रामसिंह मखोड का परिवार रहता है। नगर के मुख्य चौराहे पर उनका भव्य स्वागत सामाजिक संगठन राष्ट्रीय राजपुत करणी सेना शाल, श्रीफल व साफा पहनाकर कर किया। मुख्य चौराहे पर स्वागत के समय जिला प्रभारी प्रताप सिंह सिसोदिया, जिला उपाध्यक्ष जीवन सिंह पंवार, नगराध्यक्ष कालू सिंह देवड़ा, लोकेन्द्र सिंह राठौर, अजय सिंह सिसोदिया, मेजर उदयप्रताप सिंह चौहान, धीरज सिंह देवड़ा, मानवेन्द्र सिंह सिसोदिया, शिव सिंह देवड़ा, कमल सिंह झाला, भाजपा नगर अध्यक्ष घनश्याम माहेश्वरी, युवा नेता खुशवंत डामर, मनीष बसेर, कुलदीप राठौर, अमर सिंग, संतोष बसोड़, संदीप कहार, मिंनु मालवीय, माधव माहेश्वरी, कमल चोपड़ा, चेतन पाटीदार आदि उपस्थित रहे।

### पेटलावद पत्रकार संघ कार्यालय पर हुआ स्वागत

बामनिया से स्वागत के पश्चात पेटलावद तहसील पत्रकार संघ के कार्यालय पर समस्त पत्रकारो की उपस्थिति में रिटायर्ड फौजी का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान उपस्थित पत्रकारो ने फौजी करणसिंह का फूलमाला पहना कर स्वागत किया। वरिष्ठ पत्रकार हरिशंकर पवार द्वारा फौजी के जीवन की कठिनाइयों ओर परिवार के संघर्ष पर प्रकाश डाला। इस दौरान बीएसएफ से रिटायर्ड फौजी करणसिंह मखोड ने अपने जीवन काल के संघर्ष के बारे में बताते हुए कहा कि, गुजरात राज्य को छोड़ कर देश की हर बॉर्डर क्षेत्र में नोकरी करने का अवसर मिला, कई अवसरों पर मौत से सीधा आमना-सामना भी हुआ जब लगा कि, आज का दिन आखरी है। लेकिन भगवान आशीर्वाद और लोगो की दुवाओ से बचने में कामयाब हुए हैं। जम्बू कश्मीर के अमरनाथ क्षेत्र के ड्यूटी के दौरान हुए आतंकी हमले की जानकारी देते हुए बताया कि, अचानक से हुए हमले में उनके तीन साथी जवान शहीद हो गए थे और वो बचने में कामयाब रहे थे। सम्मान समारोह के दौरान उनकी पत्नी ने 35 वर्षों के संघर्ष पर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकार संघ अध्यक्ष मोहन पडियार, वरिष्ठ पत्रकार मनोज पुरोहित, मनोज जानी, निर्मल व्यास, चंदू राठौर, गोपाल राठौर, मुकेश सिसोदिया, नीलेश सोनी, शान ठाकुर, ओपी मालवीय, सुनील खोड़े, राकेश गेहलोत आदि उपस्थित रहे।

### झकनावदा में निकला भव्य जुलूस, कई संस्थाओं ने किया स्वागत

देश के कोने-कोने में सीमा सुरक्षा बल के रूप में बीएसएफहेड कांस्टेबल करण सिंह मखोड निवासी भूरीघाटी (झकनावदा) जब अपना कार्यकाल पूरा कर अपने घर लौटे तब ग्राम में जगह-जगह उनका स्वागत किया गया। स्वागत यात्रा में उनकी धर्मपत्नी भी उनके साथ मौजूद थीं। सर्वप्रथम मधु कन्या नदी के तट पर महाकाल मित्र मंडल झकनावदा द्वारा पुष्पमालाओ से स्वागत किया गया, उसके बाद चौधरी कंपलेक्स पर झकनावदा पत्रकार संघ, पत्रकार राकेश लक्षेटा, डॉ. रमेश सोलंकी, आनंद सोलंकी, चंद्रशेखर राठौर, बादल प्रजापत ने शाल, श्रीफल भेंटकर पुष्पमालाओ से स्वागत किया। संचालनकर्ता शैतान मल कुमट एवं मांगीलाल पडियार ने भी स्वागत किया। तत्पश्चात जनजाति विकास मंच के सदस्यों द्वारा श्री मखोड का पुष्पमालाओ से स्वागत किया गया। शासकीय बालक प्राथमिक विद्यालय झकनावदा में शिक्षक संघ, संकुल प्राचार्य रमेशचंद चौरसिया, राकेश मग, हेमेंद्र कुमार जोशी, संचालनकर्ता पूनमचंद कोठारी, मोनू राठौर, फकीरचंद माली, जितेंद्र राठौड़ एवं भारतीय जन परिषद के सदस्यों द्वारा पुष्पमालाओ से स्वागत किया गया। फौजी मखोड की स्वागत यात्रा में कई संगठन के सदस्यों ने भी वाहन रैली निकाली साथ ही पूरे नगर में जगह-जगह उनका स्वागत किया गया।

# चलते रास्ते उठा लेते थे बकरा-बकरी, पुलिस के हत्थे चढ़े चोर

**माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय**

28 जुलाई को मुकेश पिता शंभू खराड़ी निवासी मांडन ने पुलिस चौकी सारंगी में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि, मांडन-गंगाखेड़ी रोड पर सती माता वाले नाले के पास गंगाखेड़ी रोड तरफएक मोटरसाइकिल पर तीन लोगो आए और बकरी चुराकर मोटरसाइकिल से लेकर भाग गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना पेटलावद पर अपराध क्रमांक 448/2021 धारा 379 भादवी का अज्ञात आरोपी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। संपत्ति संबंधी अपराधों में पुलिस अधीक्षक निर्देश और एसडीओपी पेटलावद, थाना प्रभारी के मार्गदर्शन में संपत्ति संबंधी अपराधों में आरोपी की तलाश हेतु टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा मामले की पड़ताल की गई, जिसमें पुलिस को मिली मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी पप्पू पिता फूलचंद भाबर व राजू पिता बालू मुणीया निवासी महुडी कला थाना रायपुरिया व आरोपी राकेश पिता लक्ष्मण मुणीया निवासी उमेदपुरा से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और बकरी बरामद की जाकर गिरफ्तार किया गया।

# 10 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल जाएंगे पटवारी

**माही की गूंज, सनावद।**

मध्य प्रदेश के पटवारी अपनी तीन सूत्री मांग को लेकर 2 अगस्त से 3 दिन के सामूहिक अवकाश पर थे। पटवारियों के हड़ताल पर जाने से क्षेत्र में पटवारियों द्वारा किए जा रहे कई काम ठप हो गए थे, हालांकि हड़ताल के दौरान पटवारियों ने भू-अभिलेख को छोड़कर कोई भी काम नहीं करने का फैसला लिया था।

बता दें कि, अपनी मांगों को लेकर मध्य प्रदेश के पटवारी लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं, 22 जून से प्रदेश के पटवारियों ने अपना आंदोलन शुरू किया था। चरणबद्ध आंदोलन के इस चरण में पटवारियों ने सामूहिक अवकाश पर जाने का निर्णय लिया था, इससे पहले पटवारी 7 जुलाई को सारा ऐप से लॉगआउट करके अपना विरोध दर्ज करवा रहे थे।

### 3 सूत्रीय मांगों को लेकर कर रहे हैं आंदोलन

मध्य प्रदेश में पटवारी 3 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसमें पहली मांग वेतन विसंगतियों को दूर करने की है। पटवारियों की मांग है कि, ग्रेड-पे 2800 करते हुए समयमान वेतन विसंगतियों को दूर किया जाए। पटवारियों की दूसरी मांग है कि, उनकी गृह जिले में ही पदस्थापना हो। वहीं तीसरी मांग है कि, नवीन पटवारियों को सीपीसीटी की अनिवार्यता संबंधी नियम समाप्त किया जाए।

### 10 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी

पटवारियों ने सरकार को जल्द से जल्द उनकी मांगों को मानने की चेतावनी दी है। पटवारी संघ ने बताया कि, 5 अगस्त से सभी पटवारी वेब पोर्टल, वेब जीआईएस सहित सभी ऑनलाइन कार्यों का बहिष्कार करेंगे और अगर सरकार ने 10 अगस्त तक उनकी मांगे नहीं मानी, तो वह 10 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। इसके लिए वे 22 जून को ही ज्ञापन दे चुके हैं।

# ग्राम पंचायत वेदपुरी, मलफा एवं भड़गोन के सचिव निलम्बित

**माही की गूंज, बड़वानी।**

जिला पंचायत सीईओ ऋतुराजसिंह ने कार्यो में लापरवाही प्रदर्शित करने पर ग्राम पंचायत वेदपुरी के तात्कालिन पंचायत सचिव दीपेश पाण्डे को निलम्बित कर निलम्बनकाल लिए मुख्यालय जनपद पंचायत पाटी नियत किया गया है, वही ग्राम पंचायत मलफा एवं भडगोन के पंचायत सचिव संतोष चैहान को निलम्बित कर निलम्बनकाल के लिए जनपद पंचायत पानसेमल नियत किया गया है।

जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत वेदपुरी के कुछ लोगो ने शिकायत कर पंचायत के द्वारा करवाए गए कार्यो की जॉच की मांग की गई थी। इस पर से कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बड़वानी के माध्यम से उक्त जॉच करवाई थी। जिसमें पाया गया कि, ग्राम के मिडिल स्कूल के पास स्वीकृत आंगनवाड़ी भवन का निर्माण निर्धारित स्थल पर न करवाते हुये अन्य स्थान पर करवाया गया है। जिस पर से उक्त पंचायत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया।

वहीं खण्ड पंचायत अधिकारी पानसेमल ने मलफा एवं भडगोन ग्राम पंचायतों का निरीक्षण करने पर सचिव द्वारा घोर लापरवाही पाए जाने पर अपनी रिपोर्ट जिला पंचायत सीईओ को प्रस्तुत की थी। जिस पर से उक्त पंचायत सचिव को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया।

# परिवार परामर्श केंद्र ने शंका से अलग हुए पति-पत्नी को मिलाया

**माही की गूंज, बड़वानी।**

आवेदिका लीलाबाई ने परिवार परामर्श केंद्र में आवेदन देकर बताया कि, मेरे पति और मेरे बीच शंका को लेकर आपसी विवाद हो गया था। जिससे मेरे पति ने मेरे साथ झगड़ा कर मारपीट की। महिला के आवेदन के आधार पर दोनों पक्षों को बुलाकर काउंसलिंग की गई।

पति ने कहा कि, मैने दोस्त की उल्टी-सीधी बातें सुनकर पत्नी पर विश्वास नहीं किया जिसका मुझे खेद है। मैंने अनावश्यक ही पत्नी पर शंका करके उससे विवाद किया। काउंसलिंग के दौरान महिला ने बताया कि पति की शंका की वजह से वह रूठ कर दो-तीन दिन के लिए अपने मायके चली गई थी परंतु परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग के दौरान हमारे बीच की गलतफहमी दूर हो गई है।

काउंसलिंग में परिवार परामर्श केंद्र की प्रभारी सब इंस्पेक्टर रेखा यादव, काउंसलर श्रीमती अनीता चोयल, हेड साहब आशा डोडवे, आरक्षक जमुना बघेल, गीता कनेश का सहयोग रहा।

# बड़ी लाइन के लिए छोटा है ओंकारेश्वर रोड रेल्वे स्टेशन

**माही की गूंज, खरगोन।**

छोटी लाइन पर स्थापित ओंकारेश्वर रेलवे स्टेशन बड़ी लाइन के लिए छोटा रहेगा, इसके लिए नया रेल्वे स्टेशन बनाया जाना है। लेकिन वह कहां बनेगा यह तय नहीं हो पा रहा है। जबकि वर्तमान ओंकारेश्वर रोड स्टेशन मोरटक्का के पास बना है। उसके एक तरफ नर्मदा नदी है, तो आगे चार-पांच किलोमीटर दूरी पर सनावद रेल्वे स्टेशन है। मौजूदा स्टेशन पर इतनी जगह नहीं है कि, वहां ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के हिसाब से बड़ा रेल्वे स्टेशन बनाया जाए। इन्हीं सब उलझनों के बीच रेल अधिकारी अलग-अलग विकल्पों पर विचार कर रहे हैं।

फिलहाल, इस रूट पर यात्री ट्रेनों की आवाजाही बंद है और यात्री सड़क मार्ग से ही ओंकारेश्वर जाते हैं, लेकिन भविष्य में जब भी महू-खंडवा के बीच बड़ी लाइन बिछेगी, तो इस रूट पर यात्री ट्रेनों की संख्या काफी बढ़ेगी। इंदौर-महू-खंडवा-अकोला बड़ी लाइन न केवल उत्तर से दक्षिण भारत को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रेल मार्ग होगा, बल्कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग आने-जाने वाले श्रद्धालु ओंकारेश्वर रोड का उपयोग ही करेंगे।

### ये हैं तीन विकल्प और परेशानी

पहला विकल्प यह है कि, मौजूदा स्टेशन से दो-ढाई किलोमीटर दूर सनावद की तरफ नया रेल्वे स्टेशन बनाया जाए। इसमें परेशानी यह है कि, नई जगह रेल्वे को स्टेशन निर्माण के लिए निजी जमीनें अधिग्रहित करनी होंगी। दूसरी बड़ी परेशानी यह है कि, वर्तमान स्टेशन से चार-पांच किलोमीटर दूर ही सनावद रेल्वे स्टेशन है। यदि सनावद के पास नया स्टेशन बनाया जाता है, तो दो-ढाई किमी की दूरी पर दो बड़े स्टेशन हो जाएंगे।

दूसरा विकल्प यह है कि, वर्तमान स्टेशन को यथावत रखते हुए उसी का विकास किया जाए। परेशानी यह है कि, मौजूदा ओंकारेश्वर रोड स्टेशन के एक ओर इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाईवे है, तो दूसरी तरफ रेल्वे के पास स्टेशन विस्तार के लिए खुद की जमीन नहीं है। सूत्रों का कहना है कि, मौजूदा स्टेशन पर ज्यादा से ज्यादा एक और लूप लाइन बिछाई जा सकती है। लेकिन ज्योतिर्लिंग की गरिमा के अनुरूप भव्य स्टेशन वहां नहीं बनाया जा सकता।

तीसरा विकल्प यह है कि, वर्तमान स्टेशन को यथावत रखते हुए उसे एक सामान्य क्रासिंग स्टेशन ही बनाया जाए और सनावद स्टेशन के साथ ओंकारेश्वर रोड स्टेशन का नाम जोड़ दिया जाए। वहां रेल्वे के पास विकास के लिए जमीन भी उपलब्ध है। बड़ी लाइन प्रोजेक्ट के अंतर्गत सनावद स्टेशन को रेल्वे ने नया जरूर बनाया है, लेकिन अफसरों का वहां और विकास की संभावना दिख रही है।

### मौजूदा स्टेशन पर इतनी जगह नहीं की वहां सभी सुविधाएं जुटाई जा सकें

रतलाम मंडल रेल प्रबंधक विनीत गुप्ता ने बताया कि, अब तक ओंकारेश्वर रोड रेल्वे स्टेशन को लेकर निर्णय नहीं हो पाया है, लेकिन अब गेज कन्वर्जन प्रोजेक्ट के टेंडर फाइनल करने की प्रक्रिया हो रही है। उम्मीद है कि, जल्द स्टेशन को लेकर फैसला हो जाएगा। मौजूदा स्टेशन पर जगह की कमी के कारण वे सुविधाएं नहीं जुटाई जा सकती, जो एक अच्छे स्टेशन में होना चाहिए। इसलिए अलग-अलग विकल्पों पर विचार हो रहा है। मौजूदा स्टेशन को सामान्य क्रासिंग स्टेशन के रूप में यथावत रखने की योजना है।


## जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि, मैरा पक्षकार श्री हरिसिंह पिता पन्नालालजी पडियार निवासी-पेटलावद का होकर स्टाम्प वेंडर और सर्विस प्रोवायडर का काम करता है, मैरे पक्षकार का पुत्र रोहित आयु 19 वर्ष विगत एक वर्ष से बिना किसी कारण से मैरे पक्षकार से विवाद करता है, गाली-गुप्ता करता है, जान से मारने की धमकी देता है, यहां तक की आए दिन मारपीट करता रहता है, इस कारण मेरा पक्षकार अपने पुत्र रोहित के व्यवहार से अत्यंत दुखी और मानसिक रूप से पीडित है, इस कारण मेरे पक्षकार का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। रोहित के ऐसे कृत्य से मेरा पक्षकार उससे पिता/पुत्र के सामाजिक सम्बंध समाप्त कर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा है। रोहित के किसी भी कार्य/आचरण/व्यवहार या उत्तरदायित्व से मैरे पक्षकार का कोई लेना-देना नही है। कोई भी व्यक्ति उससे लेन-देन करे तो मैरे पक्षकार की कोई जवाबदारी नही रहेगी। इति सुचित हो।

इति दिनांक - 05/08/2021

एडवोकेट
आर.के. चतुर्वेदी
पेटलावद जिला झाबुआ (म.प्र.)

# गिरने की कगार पर खड़े खण्डहर तथा जर्जर भवनों को कब गिराया जाएगा

## क्या प्रशासन को किसी दुर्घटना की प्रतीक्षा है...?

**माही की गूंज, आम्बुआ।**

वर्षा काल में कई स्थानों से भवन गिरने की घटनाओं के समाचार हम लगभग प्रतिदिन पढ़ते, देखते व सुनते हैं। बावजूद कई गांव, कस्बे, शहर ऐसे हैं जहां पर पुराने भवन गिरने की कगार पर खड़े हैं, मगर कोई ध्यान नहीं देता है। आम्बुआ में भी ऐसे निजी तथा सरकारी भवन अपनी बेबसी पर आंसू बहा रहे हैं और यदि गिर पड़े तो न जाने कितनों को आंसू बहाने पर मजबूर कर देंगे। प्रशासन भी शायद किसी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है! निजी हो या सरकारी भवन हर भवन की एक उम्र की सीमा होती है, यदि सही रखरखाव न हो तथा भवन खाली पड़े हैं तो वे अधिक दिनों तक खड़े नहीं रह सकते हैं। विशेषकर वर्षा काल में तो वे गिर ही सकते हैं।

आम्बुआ कस्बे के बाहर एक पुराना पत्थर कारखाना विगत वर्षो से खंडहरनुमा खड़ा है इसके पास में मंदिर जाने का मार्ग है साथ ही समीप ही ईट बनाने का कारखाना एवं भट्टा है जहां से प्रतिदिन आवागमन होता है। यदि इस पत्थर कारखाने की दीवार गिर जाती है तो कोई भी भयंकर हादसा होने से नहीं रोका जा सकता है। कई बार समाचार पत्रों में इसका सचित्र समाचार प्रकाशित होने के बावजूद न तो इसके मालिक और न ही प्रशासन ने कोई ध्यान दिया। इसी के साथ-साथ पुराना ग्रामीण सचिवालय भवन जो कि पटवारी का कार्यालय एवं आवास भवन भी रहा था, आज वह खाली पड़ा होकर गिरने की कगार पर है। स्वास्थ्य विभाग परिसर में मुर्गी पालन केंद्र जो कि, पिछले वर्ष आधा गिर चुका है शेष गिरने की कगार पर है, यहीं पर पशु स्वास्थ्य विभाग के पास नन्दी तथा बकरा बांधने हेतु बना भवन भी पूरी तरह से जीर्ण शीर्ण हो रहा है जो कभी भी गिर सकता है। पंचायत प्रांगण के पास पंचायत सचिव निवास तथा कृषि विभाग का भवन भी रख-रखाव के अभाव में यह जीर्ण-शीर्ण होकर कभी भी गिर सकता है। इन भवनों की और प्रशासन का ध्यान नहीं है यह भवन वर्षा काल में कभी धराशाही होकर कोई जनहानि कर सकते हैं। नागरिकों की समाचार के माध्यम से मांग है कि, ऐसे जानलेवा खण्डहर नुमा भवनों को दुर्घटना से पूर्व जमीनदोज़ कर दिए जाने चाहिए ताकि भविष्य में कोई जनहानि न हो सके।

## सब्जी बेचने वाली महिला की सब्जी फेंकने और दुर्व्यवहार का मुद्दा विधानसभा सचिवालय में उठा

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

गत दिनों जोबट नगर में एक सब्जी बेचने वाली ग्रामीण आदिवासी महिला के साथ नगर परिषद जोबट के कर्मचारियों द्वारा सब्जी उठाकर फेंकने का मामला विधानसभा में भी पहुंच गया है। दरअसल महिला के साथ हुए इस दुर्व्यवहार को अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल ने विधानसभा सचिवालय की महिला एवं बाल कल्याण समिति की बैठक में उठाया और कडी आपत्ति दर्ज करवाते हुए दोषी लोगों पर कडी कार्रवाई कर महिला को न्याय दिलाने की मांग की।

आदिवासी और वंचित तबके की महिला के साथ बुरा सलूक बर्दाश्त नहीं

विधानसभा सचिवालय भोपाल में 31 जुलाई को महिला एवं बाल कल्याण समिति की बैठक मध्य प्रदेश विधानसभा द्वारा आयोजित की गई। विधायक मुकेश पटेल इस समिति में सदस्य मनोनीत है। जिसमें विधायक मुकेश पटेल द्वारा विगत दिनों एक आदिवासी महिला की सब्जी नगर परिषद जोबट के कर्मचारियों द्वारा कचरे की गाड़ी में फेंकने का मामला आया था, उसे विधानसभा में महिला और बाल कल्याण समिति के संज्ञान में लाकर दोषी के खिलाफ उचित कार्रवाई कर महिला को न्याय दिलाने के लिए प्रस्ताव रखा। साथ ही ऐसे अन्य कई घटनाएं जो जिले में होती रही है उस संबंध में भी अपनी बात रखी गई। इस समिति बैठक में विधायक विजयलक्ष्मी साधौ, चंद्रभागा किराड़े, मालिनी गौड़, विधानसभा सचिव, उपसचिव आदि उपस्थित थे।

विधायक पटेल ने मुद्दा उठाने के बाद प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि, आदिवासी और वंचित तबके की महिला के साथ इस तरह का बुरा सलूक बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। हर व्यक्ति को स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने और जीविका उपार्जन के लिए व्यवसाय करने का अधिकार है। परंतु अर्द्धशासकीय नगर परिषद जोबट के कर्मचारियों द्वारा महिला सब्जी विक्रेता के साथ किया गया बूरा और क्रुर व्यवहार निंदनीय है। उन्होने कहा कि, सभी का अपना सम्मान है और किसी भी व्यक्ति को दूसरे के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य नहीं करना चाहिए। उन्होनें इस मामले में कडी कार्रवाई की मांग कर महिला को न्याय देने की मांग की।

## सामाजिक एवं शासकीय संगठन भी आए संयुक्त मोर्चा की हड़ताल के समर्थन में

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग संयुक्त मोर्चा भोपाल के आह्वान पर पूरे जिले में आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, आवास बीसी एवं अन्य 17 विभागों, योजनाओं एवं मिशन के कर्मी अपनी मांगों के समर्थन में अनिश्चितकालीन कार्यालय हड़ताल कर रहे हैं। सरकार का असंवेदनशील रवैया होने से कर्मचारीयो की मांगों के समर्थन में आज हड़तालियों के मध्य आकाश जिलाध्यक्ष रतनसिंह रावत, पटवारी संघ जिलाध्यक्ष नितेश अलावा, शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष भगू सिंह तोमर, आदिवासी समाज संगठन के जिलाध्यक्ष नवल सिंह, केरम सिंह जमरा, विक्रांत मंडलोई एवं पृथ्वीराज मंडल ने संयुक्त मोर्चा की मांगों को जायज बताते हुए सरकार से तत्काल उनकी मांगों को पूरा करने की मांग की गई तथा अपने संगठनों का समर्थन भी दिया। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारीयों ने सरकार की ओर से बनाए जा रहे दबाव और बेवजह की जा रही कार्रवाई के प्रति रोष व्यक्त करते हुए तत्काल कर्मचारियों के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई को वापस लेने की मांग की। सरकार का यह रवैया आगामी उप चुनाव में बहुत भारी पड़ने की चिता निधि संयुक्त मोर्चा द्वारा दी गई हैं।

संयुक्त मोर्चा द्वारा सरकार की मंशा को पूर्व ही भाप लिया गया था जिससे न्यायालय में केविएट दायर करवा दी थी, ताकि कर्मचारियों पर दबाव कर बेवजह कार्रवाई नहीं की जा सके। परंतु राज्य सरकार के दबाव में जिले के अधिकारी अपने आकाओं को खुश करने के लिए विभिन्न प्रकार के हथकंडे अपनाने के लिए मजबूर है। प्रदेश के अधिकांश प्रशासनिक अधिकारी संयुक्त मोर्चा की मांगों को जायज बताते हुए अपना मौन समर्थन दे रहे हैं परंतु नौकरी की मजबूरियां उन्हें ऐसा कृत्य करने पर मजबूर कर रही है। शनिवार को पूरे प्रदेश में अन्न महोत्सव का कार्यक्रम होना है और जिसमें प्रधानमंत्री का संबोधन भी होगा। सोमवार से विधानसभा प्रारंभ होना है ऐसे में पंचायती राज संस्थाओं के कर्मचारियों के सहयोग के बिना इन कार्यक्रमों की सफलता संशय में है जिससे प्रदेश सरकार की छवि धूमिल होगी। विधानसभा में विपक्षी दल संयुक्त मोर्चा के मुद्दे पर सरकार को घेरने का मन बना चुका है ऐसे में सरकार को तत्काल कर्मचारियों के हित में मांगे मान कर आदेश जारी करना चाहिए। संयुक्त मोर्चा की मांगो के समर्थन में सामुदायिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों आदि के द्वारा समर्थन पत्र देकर नैतिक समर्थन दिया जा रहा है।

संयुक्त मोर्चा ने सरकार को चेताया कि, अगर उनकी मांगे नहीं मानी गई तो वह सामूहिक रुप से इस्तीफा प्रशासन को सौप देंगे तथा अपने परिवार के साथ धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। जिसकी पूरी जानकारी शासन की रहेगी। वर्तमान में सभी कार्यालय बंद होने से समस्त शासकीय कार्य बंद हो चुके हैं। जिलाध्यक्ष नान सिंह चौहान ने हड़ताल को आर-पार की लड़ाई बताते हुए संघर्ष तेज करने अपनी मांगे पूरी नहीं होने तक हड़ताल जारी रखने और आवश्यकता पड़ने पर सभी को सामूहिक इस्तीफा देने के लिए तैयार रहने के लिए आह्वान किया है।

## भजन संध्या रात्रि एक बजे तक चली

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

श्रावण मास के अंतर्गत श्री पंचेश्वर धाम त्रिवेणी संगम बाबा भोलेनाथ के मंदिर को समिति के द्वारा फूल-गुब्बारे से पूरे पंडाल से सजाया गया, भगवान भोलेनाथ ने मनमोहक श्रृंगार श्री पंचमुखी ग्रुप की ओर से किया गया, प्रसाद सावन सिंह भिंड की ओर से रखा गया था, वही भंजन संध्या के प्रयोजक कमल राठौड़ थे। रतलाम से पधारे भजन गायक अनिरूद्ध मूरारी के कंठ से भजन संध्या के रूप में एक से बढ़कर भजनों की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को धर्ममय बना दिया। श्री मूरारी एवं उनकी टीम का राठौड़ समाज एवं श्री पंचेश्वर धाम समिति द्वारा पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत किया गया। भजन संध्या का आगाज अनिरूद्ध मूरारी ने पधारों विध्न हरण प्रतिपाल गजानन गणनायक गणराज से किया। इस भजन की प्रस्तुति पर पुरुष एव महिला श्रोता झुम उठे। उन्होने इसके बाद 'ओम नमः शिवाय ओम नमः शिवाय', 'कैलाश के निवाशी नमो बार-बार हो', 'शंकर भोला नाथ है हमारा रा तुमारा', 'भोले हो गए टनाटन', 'एकली खड़ी रे मीराबाई एकली खड़ी', 'शिव नाथ तेरी महिमा' जैसे भजनों पर काफी तालिया बजाई गई। इसके बाद उनके द्वारा प्रस्तुत मंगलगीत 'ऐ सखी मंगल गाओं' को भी काफी पसंद किया गया। उनके द्वारा 'काहे तेरी आखियो में पानी मीरा प्रेम दीवानी' गाकर भक्तों को नाचने के लिए विवष कर दिया। श्री मूरारी के कण्ठ मे बिराजित मां सरस्वती के स्वरों ने श्रोताओं को रात्रि एक बजे तक बांधे रखा, अंत मे वो 'भारत देश है मेरा वो भारत देश है मेरा' देश भक्ति गीत गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। ततपश्चात भगवान भोले नाथ की शयन आरती कर भजन संध्या का समापन किया गया। भजन संध्या के प्रयोजक कमल राठौड़ थे, कार्यक्रम में पंचेश्वर धाम समिति के सदस्य उपस्थित थे।

## युवक कांग्रेस की संसद घेराव एवं विधानसभा घेराव को लेकर बैठक संपन्न

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष तरुण मंडलोई के नेतृत्व में अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल के निवास पर हुई युवा कांग्रेस की बैठक का संचालन पूर्व प्रदेश युवा कांग्रेस सचिव सोनू वर्मा ने किया। जिसमें अतिथि के रूप में प्रदेश चेयरमैन सांस्कृतिक प्रकोष्ठ विश्वजीत चौहान, झाबुआ-अलीराजपुर प्रभारी पुनीत पारियां, विधायक मुकेश पटेल उपस्थित रहे।

बैठक में युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष तरुण मंडलोई ने कहा कि, आप सभी युवा साथियों को समझना होगा कि यह कार्यक्रम किस लिए रखा गया, सरकार की महंगाई, बेरोजगारी व बेतहाशा मुल्यवृद्धि से आमजन त्रस्त है, इसी संबंध में 5 अगस्त को संसद का घेराव करने हम सबको दिल्ली जाना है और केंद्र और राज्य की सरकार का विरोध दिल्ली जाकर करना।

विधायक मुकेश पटेल ने कहा कि, संसद के मॉनसून सत्र के कम से कम 89 घंटे बर्बाद हुए हैं, इन सबका नुकसान आमजनता को ही उठाना पड़ रहा है, जन सरोकारों से जुड़े हुए मुद्दों पर विपक्ष चर्चा करना चाहता है। लेकिन मोदी सकार अपने एजेंडे पर चलकर संसद को बाधित किए हुए हैं, ताकि जवाबदेही से बचा जा सके। मैंने सदैव सदन में युवाओं के लिए बेरोजगारों के लिए आवाज उठाई है और मैं प्रत्येक युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा हूं।

बैठक को कांग्रेस कमेटी सचिव जाहिर मुगल, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव झाबुआ-अलीराजपुर प्रभारी पुनित पारिया, युवा कांग्रेस सांस्कृतिक प्रकोष्ठ चेयरमैन विश्वजीत चौहान, जिला कांग्रेस कार्यवाहक अध्यक्ष ओम राठौड़, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष शंकर बामनिया ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम में पुष्पराज पटेल, दिलीप पटेल, जीतू देवड़ा, अरविंद पटेल, सलमान मकरानी, अंकित सोनकर, सुमित गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश चौहान, राजू चौहान, अगर सिंह सेवादल, जिला अध्यक्ष राहुल ठकराव, सुनील भयडिया, सुरेंद्र चौहान, पिंटू सेन, प्रदीप सोनी, मयूर राठौड़, सज्जन चौहान, कमल बघेल, छगन भगत, विक्रम मौर्य, धनसिंह चौहान, लालू भाई, सुरेश, मनीष चौहान, राहुल तोमर, रवि रावत, लक्ष्मण प्रजापत, दिनेश भिड़े, विष्णु चोकियां, कपिल चोकिया, सुनील चोकीया, नानू माली, गोलु डावर आदि पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. चौधरी ने वर्चुअली मरीजों एवं स्टॉफ किया संवाद

**माही की गूंज, अलीराजपुर।**

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने जिला चिकित्सालय अलीराजपुर में भर्ती मरीजों व स्टॉफसे वेव कास्ट के माध्यम से वर्चुअली संवाद किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीज निलेश पिता रघुसिंग निवासी थांदला, नोपसिंह भारता, आसमा पति सद्दाम, हजरी पति कामसिंह से मोबाइल के माध्यम से विडियो संवाद किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने मरीजों को जिला चिकित्सालय अलीराजपुर में मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं, बिमारी के दौरान अस्पताल में भर्ती होने के लिए मिली एम्बुलेन्स सुविधा, अस्पताल में मिलने वाली दवाओं की उपलब्धता, अस्पताल में मिलने वाली भोजन, सफाई व्यवस्थाओं, स्टॉफ से मिलने वाले सहयोग आदि की जानकारी ली। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने गर्भवती महिलाओं से कोविड-19 से बचाव का टीका लगाने की जानकारी भी ली। इस अवसर पर उन्होंने सभी से टीकाकरण कराने का आह्वान किया। मरीजों द्वारा बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं मिलने की जानकारी पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने उन्होंने एनएनसी इंचार्ज, टीकाकरण इंचार्ज एवं सुमन हैल्प डेस्ट प्रभारी से भी संवाद किया तथा स्वास्थ्य सेवाओं से जुडी जानकारी ली। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. प्रका ढोके, सिविल सर्जन डॉ. केसी गुप्ता, डॉ. सोमील भदौरिया सहित अन्य स्टॉफसदस्य उपस्थित थे।

## लायंस क्लब का 25 वां संस्थापना समारोह संपन्न

**माही की गूंज, पेटलावद।**

उदय गार्डन पेटलावद में सम्पन्न लायंस क्लब के 25 वें संस्थापन समारोह ''संकल्प'' में पूर्व डिस्ट्रिक गवर्नर ला. डॉ. जवाहर बिहाणी ने मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए व्यक्त करते हुए कहा कि, लायनवाद विश्वभर में सेवा का पर्याय बन चुका है। डॉ. बिहाणी ने संबोधित करते हुए लायंस क्लब पेटलावद सेंट्रल की स्थाई गतिविधि और कार्य की प्रशंसा की। ला. मनोज जानी ने ध्वजवंदना प्रस्तुत की जिसके पश्चात अतिथी परिचय वरिष्ठ लायन प्रबोध मोदी ने प्रस्तुत किया। आसन्न पूर्व अध्यक्ष निलेश पालीवाल ने अपने संबोधन में कहा कि, संगठन व्यक्ति से नही टीम से चलता है तथा हम सभी टीम वर्क के साथ पीडीत मानवता की सेवा करते हुए नव पदस्थ अध्यक्ष ओमप्रकाश चोयल के नेतृत्व में सामाजिक गतिविधियो को आगे बढाएगें तथा सेवा के नए आयाम स्थापित करेगे, जिसमें पुरा लायंस परिवार कंधे से कंधा मिला कर कार्य करेगा। क्लब सचिव निलेशसिंह कुशवाह ने सचिविय प्रतिवेदन के माध्यम से वर्ष भर की गतिविधियो की जानकारी दी।

नव पदस्थ अध्यक्ष ओम प्रकाश चोयल ने अपनी भावी योजनाओ को प्रस्तुत करते हुए कहा कि, लायन परिवार के सभी सदस्यो के सहयोग व वरिष्ठो व गणमान्य नागरिको के मार्गदर्शन में लायंस क्लब सेवा गतिविधियो को तेजी से आगे बढाएगा।

समारोह के विशेष अतिथी एसडीएम शिशिर गेमावत ने संबोधित करते हुए लायंस की सामाजिक गतिविधियो को सराहा तथा भविष्य में भी प्रशासन की और से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

लायन विनोद भंडारी, पारसमल कोटडिया, राजेन्द्र भंडारी, चिंतन मंडलोई, महेन्द्र मेहता, राजेश पालीवाल ने अतिथीयो को स्मृति चिन्ह भेट किए। समारोह का संचालन उपाध्यक्ष यश रामावत ने किया। आभार कोषाध्यक्ष गजेन्द्र काग ने माना।

### लायंस की नई टीम को संस्थापित किया

शपथ अधिकारी डॉ. साधना सोडानी ने सेवा वर्ष 2021-22 के लिए ओम प्रकाश चोयल को अध्यक्ष व निलेशसिंह एडवोकेट को पूनः सचिव के पद पर साथ ही यश रामावत प्रथम उपाध्यक्ष, निलेश भट्ट द्वितीय उपाध्यक्ष, पंकज पटवा तृतीय उपाध्यक्ष, ला. हरिओम पाटीदार सहसचिव, ला. गजेन्द्र काग कोषाध्यक्ष, दिपेश छजलानी सदस्यता विस्तार चेअरमेन, ला. मनोज जानी एलसीआईएफ चेअरपर्सन, ला. प्रबोध मोदी एलसीआईएफचेअरपर्सन, ला. आलोक चौहान सर्विस चेअरपर्सन एम्बुलेंस, ला. महेन्द्र मेहता चेअरमेन अन्नम रक्षम, ला. चिंतन मंडलोई जलमंदिर प्रभारी, ला. निलेश पालीवाल डे केअर सेंटर प्रभारी, ला. रजनीकांत शुक्ला जीएलटी, ला. डॉ प्रवीण हामड चेअरमेन स्वास्थ्य समिति, जीएसटी व विधिक सलाहकार के रूप में राजेन्द्र चतुर्वेदी को शपथ दिलाई। क्लब के संचालक मंडल के रूप में ला. पारसमल कोटडिया, ला. विनोद भंडारी, ला. राजेश पालीवाल, ला. राजेन्द्र भंडारी, ला. पवन भंडारी, ला. राजेश जैन को शपथ दिला कर सेवा वर्ष 2021-22 के लिए संस्थापित किया। अतिथियों ने अध्यक्ष ओमप्रकाश चोयल को सत्ता का प्रतीक लायन गैम्बल भेंटकर सत्ता की कमान सौंपी।

### इनका हुआ सम्मान

समारोह में एसडीएम शिशिर गेमावत, तहसीलदार जितेंद्र अलावा, जगदीश वर्मा को कौरोना काल में प्रशासनीक दक्षता के लिए डॉ. बीएल चौपडा, डॉ. प्रवीण हामड, डॉ. सीता काग, स्वास्थ्य कर्मी पृथ्वीपालसिंह चुंडावत, महेन्द्र द्विवेदी, लायंस एंबुलेंस के चालक विजय चौहान को कौरोना काल में स्वास्थ्य सेवाओ के लिए बंजरंग रामायण मंडल को लायंस मुक्तिवाहन के सफल संचालन हेतू, गौतम ग्रुप व डॉ. जीएस चोयल को जनसहयोग से सिविल हॉस्पीटल में ऑक्सीजन प्लांट हेतू किए गए प्रयासो के लिए, पेंशनर्स ऐसोशिएसन को डे केअर सेंटर के सफल संचालन हेतू, सामाजिक कार्यकर्ता दिलीप भंडारी, सचिव संघ अध्यक्ष तोलसिह निनामा को बगीचे में सहयोग के लिए, मिथिलेश भाटी, दीपक राठौड व निलेश पुरोहित को लायंस की सामाजिक गतिविधियो में सहयोग के लिए, कोरोना वारियर्स के रूप में मरणोपरांत स्व. डॉ. केडी मंडलोई के पुत्र राहुल मंडलोई व स्व. दिलीपसिंह पंवार के पुत्र सूरज पंवार को विशेष रूप से सम्मानीत किया गया। ला. विनोद भंडारी को सामाजिकक्षेत्र में विशेष योगदान के लिए स्टॉर ऑफ द लायन की उपाधि से विभुषित किया गया। समारोह के दौरान ही क्लब द्वारा जरूरतमंद महिला को रोजगार स्थापित करने हेतू सिलाई मशीन भेट की गई साथ ही चोयल परिवार के पेमजी चोयल, डॉ. जीएस चोयल, डॉ उर्मिला चोयल, श्रीमती सुनीता चोयल, सौजन्य से इंदौर में अध्ययनरत छात्र को एक वर्ष की सम्पूर्ण फीस व सुविधा के लिए सायकल भेंट की।

# खुल रही भ्रष्टाचार की पोल, आखिर कब तक जिम्मेदार रहेंगे मौन

## जामली पंचायत में बने चैक डेम में नहीं रूका पानी, शिकायतों पर नहीं होती कार्रवाई

**माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत**

पेटलावद विकास खण्ड में चैक डेम, स्टॉप डेम के नाम पर हुई लूट जग जाहिर है। वर्क जोड़ने से लेकर स्वीकृत करने और टीएस करने तक कमीशन के नाम पर हुई अनदेखी के बाद निर्माण अघोषित ठेकेदार जिसमे पत्रकार और दोनों दलों के नेता भी है, ग्राम पंचायत सरपंच-सचिव और रोजगार सहायकों के साथ मिलकर घटिया निर्माण को अंजाम दिया और लाखों की लागत से बिना काम आने वाले ताबूत खड़े कर दिए। कमीशनखोर अधिकारियों को उम्मीद थी कि, जैसा-तैसा भी काम हो थोड़ा पानी भी रुक जाएगा, तो फ़ोटो खिंचाकर भ्रष्टाचार के आरोपो से मुक्ति पा लेंगे, लेकिन कहते हैं ''झूठ के पैर नही होते'' जो कभी न कभी तो समाने आ ही जाता है।

विकास खण्ड में भी कुछ ऐसा ही हुआ ओर बारिश में भ्रष्टाचार की पोल खुल गई। अब बड़ा सवाल ये उठता है कि, कलेक्टर और जिला सीओ इस बड़े भ्रष्टाचार को उजगार करते हैं या फिर ये भी इस सिस्टम का हिस्सा है, जहां कमीशन की अटैची इनके यहां तक भी पहुँची है। क्योंकि ऐसा हम नही यही भ्रष्ट कह रहे हैं कि, सब का हिस्सा है कोई कार्रवाई नही होगी, पक्ष बोलेगा नही, विपक्ष साथ मे लिया है। मामले उजगार करने वाले पत्रकार खुद निर्माण कर रहे और अधिकारियों को पहले ही उनका हिस्सा पहुँचा दिया है।

### जामली पंचायत में बने 6 चैक डेम एक में भी पानी नहीं

बात करे विकास खण्ड की उन पंचायतो की जहां धड़ल्ले से आँख बंद करके नदी जोड़ो अभियान के तहत चैक डेम बनाए गए हैं। लेकिन स्वार्थ के आगे सरकार की मंशा को ऐसा पलीता लगा कि, पूरी योजना उद्देश्य से भटक कर माल कमाओ योजना बनकर रह गई। ग्राम पंचायत जामली में लगभग 30 लाख रूपए की लागत से 6 चैक डेम का निर्माण किया गया, उम्मीद थी कि, थोड़ा बहुत पानी रुक जाएगा, लेकिन ऐसा नही हुआ। जब हमने ग्राम पंचायत के लगभग चार चैक डेम का दौरा किया तो देखा कि, एक में भी पानी नही रुका ओर पूरा पानी डेम की नींव में से रिसकर निकल गया। ग्राम पंचायत में बरवेट रोड़, हीरा निनामापाड़ा, किसान नारायण के खेत के पास वाले चैक डेम सहित बाकी चैक डेम की भी यही हालत है।

बताया जा रहा है, ग्राम पंचायत ने अघोषित ठेकेदारों के साथ मिलकर पानी रोकने के लिए लीपा-पोती भी किंतु असफल ही रहे। ग्राम पंचायत प्रधान, सचिव और रोजगार सहायक बात करने तक को तैयार नही है।

### पत्थरों से भरी गई नीव, घटिया और हल्के मटेरियल का हुआ उपयोग, तेज़ बारिश में फूटने का डर

ग्राम पंचायत में बने ज्यादातर चैक डेम की हालत देखकर कहा जा सकता है कि, एक भी निर्माण स्टीमेंट के अनुसार नही हुआ है और सभी की नींव पत्थरो से भरी गई है, जिस कारण एक भी डेम में पानी नही रुका। ये तो गनीमत है कि अब तक प्रति वर्ष जैसी भारी बारिश नही हुई है वरना इनमें से कई तो स्वर्ग सिधार जाते, मतलब की फुट जाते।

ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार को उजागर करने में लगे जामली के बलराम पाटीदार जो कि, ए क्लास के ठेकेदार है। उनका कहना है कि, यदि प्रशासन अनुमति दे तो इन चैक डेम की नींव स्वयं के खर्च से खोद कर बताने को तैयार है और यदि कार्य नियमानुसार सही पाया जाता है तो पूरा चैक डेम स्वयं के खर्च से निर्माण कर देने को तैयार है। बलराम पाटीदार ने ग्राम पंचायत पर भ्रष्टाचार करने और शिकायत के बाद भी जांच और कार्रवाई नही होने पर जनपद के अधिकारियों के भी भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप लगाए हैं।

### मनरेगा कमीशन तक पहुँचा मामला, अधिकारी ट्रांसफर करवाकर रवानगी के चक्कर में

विकास खण्ड पेटलावद सहित जिले भर में मनरेगा में हुए भ्रष्टाचार का मामला मनरेगा कमीशन तक पहुँच गया है। जिला स्तर पर होने वाली अधिकारीयो की वीसी में जिला प्रशासन को फटकार भी लग चुकी हैं। पूरे मामले में अब प्रदेश स्तर से जांच की बात सामने आ रही है और नोटिस भी जारी हो गए हैं। पेटलावद के मनरेगा एसडीओ सावन घोसले इस संबंध में ज्यादा कोई जवाब नही दे पाए और अब प्रत्येक पंचायत में जाकर कार्य की जांच करने की बात कर रहे हैं। क्योकि बिना देखे और जांचे परखे कार्य की तकनीकी स्वीकृति मनरेगा एसडीओ सावन घोसले द्वारा ही की गई थी। जानकारी यहाँ तक मिल रही है कि, कार्य के फर्जीवाडे से जुड़े कई अधिकारी और कर्मचारी अपना स्थांतरण कर यहां से रवानगी लेकर बचना चाहते हैं, जो कि सम्भव नही है। भ्रष्टाचार जुड़े लोग प्रदेश के किसी भी हिस्से में चले जाएगा यहां उनके कार्यकाल में हुए कार्यो का जवाब तो यहीं आकर देना ही होगा।

# ये किस विकास की राह पर... ग्राम पंचायत झकनावदा

## प्रधानमंत्री के स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ाती गंदगी

**माही की गूंज, झकनावदा। आनंद सिंह सोलंकी**

जनपद पंचायत पेटलावद के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत झकनावदा जो की पेटलावद तहसील की सबसे बड़ी पंचायत होने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान को पलीता लगाते नजर आ रही है। सरकार सभी जगह स्वच्छता के नाम पर लाखों रुपए खर्च करती है, किंतु अधिकारी इस योजना का सही क्रियान्वयन नहीं करते हैं। यही माजरा है ग्राम पंचायत झकनावदा का जो कि, सभी पंचायतों के लिए आदर्श कही जाती है। किंतु बस स्टैंड पूरी तरह गंदगी से पसरा हुआ पड़ा है और बस स्टैंड से लगाकर पंचायत तक का रोड भी कीचड़ में पड़ा हुआ है। पेटलावद-राजगढ़ मार्ग स्थित बस स्टैंड झकनावदा पर सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया गया है व शौचालय के बाहर ग्राम पंचायत द्वारा स्लोगन लिखवाया गया कि, ''एक कदम स्वच्छता की ओर'' लेकिन उसी शौचालय के सामने लंबे समय से गंदगी अपना पैर पसार कर पड़ी हुई है। वही वेस्ट प्लास्टिक का ढेर लगा हुआ है, जिससे बस स्टैंड का सौंदर्य मानो खत्म होते नजर आ रहा है। ग्राम पंचायत झकनावदा द्वारा उसी प्रकार गांव में और भी शौचालय निर्माण की है मगर आज तक उसकी देख-रेख उसकी साफ-सफाई की व्यवस्था पूर्ण रूप से नहीं की, बस स्टैंड पर भी यही देखा जा सकता है कि, शौचालय के बाहर जो स्वच्छता अभियान को लेकर जितनी स्वच्छता से स्लोगन लिखे गए, उसके विपरीत परिस्थितियां अंदर से खराब है और न ही उसकी कोई व्यवस्था है और न ही उसमें कोई साफ-सफाई देखने को मिलती है। पूरा शौचालय अंदर से गंदगी से भरा हुआ है जो कि, आने वाले समय में बड़ी बीमारी को न्योता दे रही है।

### पंचायत की खानापूर्ति में चल रहा है नाम और काम

एक और कोरोना वायरस की तीसरी लहर भी सर पर है, इन सभी बातों का जिम्मेदार किसको ठहरा जाए, आखिर कब तक अधिकारी चुप्पी साधे बैठे रहेंगे, जिले के मुखिया भी इस और कोई ध्यान नहीं दे पा रहे है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्कूल के सामने भी गंदे पानी से बना हुआ तालाब है और पंचायत का कोई ध्यान नहीं है। ग्राम पंचायत में आख़री बार ग्राम सभा का आयोजन कब हुआ था इसका भी अता पत्ता नही है और ग्राम पंचायत के हितैषियों के साथ बैठकर खानापूर्ति कर ली जाती है।

### गंदगी और कीचड़ दे रही गंभीर बीमारियों को निमंत्रण

ग्राम पंचायत में प्रवेश करते ही नगर के मुख्य चोराहे पर गंदगी और कीचड़ को देखा जा सकता हैं। जहां कलेक्टर स्वयं तीन से चार बार आ चुके हैं लेकिन स्थानिय जनप्रतिनिधि ने साहब को सब हरा-हरा दिखाकर रवाना कर दिया, जबकि नगर की स्थिति बद से बत्तर हो रही हैं। चारो ओर फेली गंदगी न केवल कोरोना संक्रमण बल्कि डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी कई और गंभीर बीमारियों को निमंत्रण दे रही हैं। कहने को झकनावदा में सांसद और विधायक प्रतिनिधि है लेकिन इनकी रुचि नगर विकास में कम और फ़ोटो सेशन में ज्यादा होती है, जिसके चलते नगर में दिया तले अंधेरा वाली स्थिति बनी हुई है। आमजन को उम्मीद है कि, गूंज में उठे इस जनहित के मुद्दे को जिले के मुखिया त्वरित कार्रवाई कर न केवल लापरवाही बरतने वाले सचिव और रोजगार सहायक पर कार्रवाई करेंगे, साथ ही नगर को गंदगी और कीचड़ से भी मुक्ति दिलाने के जरूरी प्रयास करेंगे, ताकि नगर को गंभीर बीमारियों की चपेट में आने से बचाया जा सके।

# क्षेत्र बना शराब माफियाओं का गढ़, रोजाना बिकती हैं लाखों की शराब

**माही की गूंज, पारा।**

ग्राम व आस-पास के क्षेत्रों में अवैध शराब का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। शराब माफियाओं पर न तो आबकारी विभाग का नियंत्रण है न पुलिस का। दोनों विभागों व माफियाओं की मिली भगत से नगर व आस-पास के ग्रामीण आंचलों में अवैध शराब का कारोबार अच्छा-खासा फल-फूल रहा है। कार्रवाई के नाम पर विभाग वाले छोटे-मोटे शराब माफियाओं पर कार्रवाई कर फॉर्मेलिटी निभाने का काम करते आए है। वहीं कच्ची शराब बेचने वालों पर ही कार्रवाई कर अपनी कर्रवाई की इतिश्री कर ली जाती है। उसमे भी कई ले-देकर मामले निपटा दिए जाते है। बड़े शराब माफियाओं पर कार्रवाई क्यों नहीं होती है, यह मिलीं भगत नही तो क्या है? जबकि छोटे-बड़े शराब माफियाओं का माल स्थानीय शराब ठेके से ही आता है। कार्रवाई तो बड़े माफियाओं पर भी होनी चाहिएं, दोनो विभागों ने पिछले दो-तीन वर्षो में एक भी बड़ी कार्रवाई नहीं की।

पारा पुलिस व जिला आबकारी विभाग ''तु डाल-डाल मैं पात-पात'' वाली कहानी चरितार्थ करते आए है। पंद्रह दिन पहले पारा पुलिस ने कच्ची शराब बेचने वाले की धर पकड़ कर कार्रवाई की थी। इसी कार्रवाई के सात दिन बाद जिला आबकारी विभाग ने भी छोटे शराब विक्रेताओं पर कार्रवाई की थीं। बड़े माफियाओं की धरपकड़ कभी नहीं की गई जो मामले को संदेहास्पद बनाता है।

ग्राम में कई स्थानों पर छोटी-बड़ी शराब दुकानों पर महंगी शराब बिक रही है। यूं देखा जाए तो ग्राम में सौ से भी अधिक अवैध रूप से शराब दुकाने संचालित हो रही है। ग्राम शराब माफियाओं का गड़ बनने लगा है और रोज़ाना लाखो रूपयों की शराब बिक रही है। सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि, हाट बाजार के दिन कितनी शराब बिकती होगी।

गूंज को मिली जानकारी अनुसार ग्राम में ग्राम पंचायत के पीछे, पुलिस चौकी के पीछे, बखतपूरा इलाको में, पारा-झाबुआ रोड़, राणापुर रोड़, बोरी रोड़, राजगढ़ रोड आदि इन स्थानों पर अधिकतर शराब दुकानें संचालित हो रही है। इसके अलावा ग्राम की गलियों में भी अवैध शराब बिक रही हैं।

# क्या पॉलिथीन मुक्ति अभियान औपचारिक ही होगा साबित...?

## साफ-सुथरे स्थानों पर पॉलिथीन बिनने से अच्छा होता शहर के बीच अभियान चलाना

**माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी**

पर्यावरण एवं स्वास्थ्य दोनों के लिए 40 माइक्रॉन से कम पतली पॉलिथीन पर्यावरण की दृष्टि से बेहद नुकसानदायक होती है। क्योंकि यह पॉलिथीन उपयोग में काफी सस्ती पड़ती हैं, इसलिए इनका उपयोग धड़ल्ले से किया जाता है। विश्व में सबसे अधिक उपयोग में आने वाली चीज प्लास्टिक है। वर्तमान में इसका वार्षिक वैश्विक उत्पादन कई करोड़ टन है। इसका मुख्य उपयोग पैकेजिंग, प्लास्टिक के थैले, बोतल और अन्य चीजें बनाने में होता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर पॉलिथीन पर प्रतिबन्ध क्यों नहीं सफल होता है ? हर बार पॉलिथीन के प्रतिबंध को लेकर अभियान तो चलाए जाते लेकिन वह अंजाम तक कभी पहुंच ही नहीं पाते। इसकी असफलता का कारण यह है कि, इस तरह के पॉलिथीन मुक्ति अभियानों की उम्र बहुत कम होती है। कभी 8 दिन, कभी 15 दिन तो कभी बहुत ज्यादा हुआ तो एक महीना ही इस तरह के अभियानों की उम्र होती है। उसके बाद स्थिति वही ''ढाक के तीन पात'' सी हो जाती है और बाजार में इसका व्यापार, व्यवसाय व उपयोग धड़ल्ले से होता नजर आता है। पिछले कई सालों से इस तरह का अभियान शासन-प्रशासन द्वारा चलाए गए, लेकिन इसकी सफलता, सार्थता पर अब भी प्रश्न चिन्ह ही लगा दिखाई पड़ रहा है। पॉलिथीन के बढ़ते खतरे और मुद्दे को लेकर सरकारें और प्रशासन किसी तरह की गंभीरता दिखाते नजर नहीं आ रहे है। प्रशासनिक अमला भी इस को लेकर सिर्फ माथा उतारनी करता दिखाई दे रहा है।

जिले में इन दिनों पॉलिथीन मुक्त अभियान प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा है। इस अभियान की उम्र भी शहर के लिए महज 15 और ग्रामीण क्षेत्र के लिए 15 दिन ही प्रशासन ने तय की है। यानि प्रशासन इतना आश्वस्त है कि इन 30 दिनों में जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र पूरी तरह से पॉलिथीन मुक्त हो जाएंगे। वरना उसके बाद आगे का भगवान तो मालिक है ही। इसे प्रशासन की विडंबना कहें या कोताही पिछले कई वर्षो में जो काम नहीं हो सका वह उसे मात्र 30 दिन में पूरा करने के चक्कर में है। यानि आटे में नमक नहीं नमक में आटा मिलाया जाएगा। उस पर सितम यह कि प्रशासन के इस पॉलिथीन मुक्ति अभियान में आमजनता चिकने घड़े की भूमिका अदा करेगी। मतलब साफहै कि इस अभियान का अंजाम भी ''खाया पीया कुछ नहीं गिलास तोड़ा बारह आना'' ही होगा।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले को पॉलिथीन मुक्त करने के लिए अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। जिले में 1 से 15 अगस्त तक झाबुआ शहर पॉलिथीन मुक्त करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत लोगों को जागरूक करने के लिए शहर में मुनादी भी करवाई गई। 29 जुलाई को मात्र एक घंटे श्रमदान की नौटंकी कर जिला प्रशासन के अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधियों ने इस अभियान की शुरूआत की। शहर को पॉलिथीन मुक्त करने के लिए कलेक्टर मिश्रा ने इस अभियान के प्रचार वाहन को हरी झण्डी देकर शुभारंभ किया। अभियान के लिए तीन दल बनाए गए थे। पहले दल में कलेक्टर मिश्रा के साथ 26 विभागों के जिला अधिकारियों ने किशनपुरी, टुरिस्ट मोटल के क्षेत्र में पॉलिथीन इकट्ठी की। कलेक्टर के साथ जनअभियान परिषद, जिला होमगार्ड, आरटीओ, अग्रणी बैंक अधिकारी, डिप्टी कलेक्टर आदि ने श्रमदान की नौटंकी कर पॉलिथीन उठाकर कचरा वाहन में डाली। दूसरे दल में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन के साथ 33 अधिकारी थे। इस दल ने साफ-सुथरे कॉलेज ग्राउण्ड की साफ-सफाई की। पहले से साफ-सुथरे ग्राउंड में सिद्धार्थ जैन ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलाई। तीसरा दल अपर कलेक्टर जेएस बघेल की अगवानी में मेघनगर नाका क्षेत्र में पहुंचा। इस दल में 20 अधिकारी-कर्मचारी थे। इस दल ने यहां बिखरी पड़ी पॉलिथीन को इकट्ठा किया।

साफ-सुथरे ग्राउंड पर ली गई स्वच्छता की शपथ।

अब बारी थी जिन तीन स्थानों पर इन तीन दलों में शामिल लोगों ने जो अथक मेहनत कर श्रमदान किया उसे स्वर्णिम अक्षरों में इतिहास में दर्ज करने की सो खुद की मीडिया का उपयोग करते हुए पीआरओ ने पूरी कर दी। अगले दिन अखबारों में बड़े-बड़े फोटो के साथ साहब लोगों की तस्वीरें और साथ में कसीदे गढ़ती खबरों ने इसमें चार चांद लगा दिए। जिन तीन स्थानों पर साहब के मेहनत कश मातहतों ने श्रमदान किया वह झाबुआ नगर प्रवेश के द्वार माने जाते है और यकीन मानिए कि यह तीनों स्थान अपने आपमें प्राकृतिक सौंदर्य लपेटे साफ-सुथरे ही है। साहब लोगों के इस अभियान के पहले भी शायद यह गंदगी, कचरे या पॉलिथीन से पटे हुए तो नहीं थे। जिस किशनपुरी क्षेत्र व टूरिस्ट मोटल के आसपास कलेक्टर साहब ने यह अभियान चलाया वह तो पहले भी इतना गंदा या पॉलिथीन से पटा हुआ नहीं था कि उसकी साफ-सफाई की जाए। इसकी बजाय अगर साहब बाजार में फैली पॉलिथीन, नालियों में अटकी पड़ी प्लाटिक की थैलियों व प्लास्टिक के गिलास या चाय के मग्गे साफ करते तो इतिहास रचा जा सकता था। शहर में एक घंटे का यह छोटा अभियान लोगों के लिए इबारत बन सकता था कलेक्टर को सफाई करता देख शायद लोग पछतावे में आकर ही सही मगर पॉलिथीन को पूरी तरह त्यागने की कोशिश तो कर ही लेते। मगर सस्ती लोकप्रियता के चलते ऐसा नहीं हो पाया।

इस अभियान से जुड़ा दूसरा दल कॉलेज ग्राउंड पर साफ-सफाई कर रहा था। जबकि महाविद्यालय का यह ग्राउंड कभी गंदगी या पॉलिथीन से पटा नहीं रहा। शायद इससे साफ सुथरी जगह झाबुआ में कहीं भी नहीं है। यह ग्राउंड सुबह शाम घूमने, योगा करने व खिलाड़ियों से भरा रहता है। योगा करने वाले जमीन पर योगा करते है। रनिंग ट्रेक पर दौडने वाले दौड़ते है और वे स्वयं ही इस ग्राउंड का ख्याल रखते है। यकीनन इस साफ-सुथरे ग्राउंड में पॉलिथीन ढूंढना ''दूध में सफेद बाल ढूंढने जैसा'' रहा होगा। इस अभियान के तीसरे दल ने जरूर कुछ मेहनत की होगी। क्योंकि जहां उन्होने श्रमदान किया वह जगह नगर का व्यावसायिक इलाका है। यहां पॉलिथीन मिलना भी संभव थी, और यहां यह अभियान शायद सार्थक भी हुआ हो।

जो भी हो लेकिन 29 जुलाई के कलेक्टर के इस पॉलिथीन मुक्ति अभियान के ढकोसले को अखबार के पन्नों पर जगह तो मिल ही गई। अधिकारियों के नजरिये से 15 दिन के इस अभियान में 1 दिन वह भी एक घंटा श्रमदान कर जिले को पॉलिथीन मुक्त बनाने की पहल की गई। जब पहल इतनी छोटी हो तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि लक्ष्य प्राप्ति में कितनी देर लगेगी। हालांकि 29 जुलाई के बाद इस अभियान मे जुड़े अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक संस्थाएं व संगठन, जनप्रतिनिधि ''गधे के सिंग की तरह गायब'' ही नजर आ रहे है। सिर्फ अब पॉलिथीन मुक्ति अभियान की औपचारिकता पूरी करती नगरपालिका की दो-चार लोगों की टीम ही नगर में नजर आ रही है। जो दुकान-दुकान, ठेले-ठेले घूमकर कर्तव्य की इतिश्री करते हुए चालानी कार्रवाई कर रही है।

प्रशासन के इस अभियान को देखते हुए प्रश्न उठना तो लाजमी है। क्या वाकई इस तरह की बड़ी समस्या से निपटने के लिए इस तरह के चिन्दी चोरी जैसे अभियान काफी होंगे? क्या मात्र कुछ कर्मचारियों द्वारा चालानी कार्रवाई कर इस अभियान का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है? क्या वाकई प्रशासन के इस छोटे से अभियान का जनता पर इतना असर पड़ेगा कि, वह जागरूक होकर पॉलिथीन का त्याग कर देंगे? अगर इन प्रश्नों का जवाब ना है तो फिर प्रशासन ''हथेली को दिल्ली और अंगूठे को कुतुबमिनार'' बताने में लगा हुआ है। अगर वाकई इस अभियान को सफल व सार्थक बनाना है तो लोगों में जनजागृति फैलाने की आवश्यकता है। लोगों को भी इसे लेकर जागरूक होना ही पड़ेगा। सभी को इस अभियान को लेकर धुन का पक्का होना पड़ेगा। लक्ष्य को पाना टेढ़ी खीर है मगर हम सबको मिलकर ऐड़ी चोटी का जोर लगाना पड़ेगा। वरना हम अपनी आने वाली पीढ़ी को विरासत में जो देकर जाएंगे वह प्लास्टिक की गंदगी होगी। जो उनके जीवन को नर्क बनाकर रख देगी।

## अब हरी झंडी दिखाए बिना कचरा भी बाहर नहीं जा सकेगा

**माही की गूंज,झाबुआ।**

मंगलवार को नगरपालिका द्वारा ट्रचिंग ग्राउंड से छटनी के बाद 2540 किलो पॉलिथीन एकत्र की गई। एकत्र की गई अमानक पॉलिथीन को मनावर के किसी सीमेंट प्लांट को भेजा गया। जहां इसका निष्पादन किया जाएगा। स्तर हीनता यह कि इस कचरे रूपी सड़ी, अमानक पॉलिथीन से भरे वाहन को भी कलेक्टर से हरी झंडी दिखवा कर रवाना किया गया। नगरपालिका द्वारा इस कचरे के वाहन को रवाना करने को भी एक सस्ती लोकप्रियता की लोलूपता में अवसर बना दिया गया। क्या यह कचरे से भरा वाहन भी इतनी बड़ी उपलब्धि था कि इसे कलेक्टर को हरी झंडी दिखाना पड़ी। या फिर हरी झंडी दिखाना अधिकारियों का शौक बन गया है। क्या अब यही काम जिले के आला अधिकारियों के लिए रह गया था? विडंबना यह कि इस अवसर का समाचार व फोटो जनसंपर्क कार्यालय से जारी भी हुआ। इसे झाबुआ कलेक्टर के फेसबुक पेज से शेयर किया गया। उसके बाद क्या था अधिकारियों ने भी इसे फेसबुक पर शेयर करना शुरू कर दिया। आखिर शेयर भी क्यों न किया जाए, अवसर ही इतना बड़ा था।

अगर ऐसा ही है तो फिर नगरपालिका रोज इस तरह के अवसर को आसानी से भुना सकती है। सुबह नगरपालिका से शहर में कचरा इकट्ठा करने निकलने वाले वाहनों को भी रोज हरीझंडी दिखाना चाहिए। रोज इस तरह के इवेंट की फोटोग्राफी हो और वह अखबार के पन्नों पर छपे। मंगलवार को कलेक्टर के साथ कई जिला स्तरीय अधिकारियों ने भी इस बहती गंगा में हाथ धोए और सस्ती लोकप्रियता को बढ़ावा दिया। यह कचरे से भरा वाहन यूं तो साधारण तौर पर भी रवाना किया जा सकता था, लेकिन ऐसे में किसी को पता ही नहीं चलता कि प्रशासन और नगरपालिका पॉलिथीन मुक्त अभियान में काम कर रहे है। इसलिए कचरे के वाहन को इस तरह रवाना करना भी जरूरी था कि हर कोई जान ले कि इस अभियान में युद्ध स्तरीय काम चल रहा है। मगर सवाल तो उठता ही है कि पद की गरीमा भी कोई चीज है या नहीं?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422